कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

जागृति

वर्ष:62 अंक-8 मुम्बई जुलाई 2018

साबरमती रिवरफ्रंट, अहमदाबाद में सांसद, राज्य सभा व भाजपा के अध्यक्ष श्री अमित शाह द्वारा स्मारक स्टील चरखा का अनावरण

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका
खादी और ग्रामोद्योग आयोग

वर्ष 62 अंक-7 मुंबई जुलाई 2018

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक
के. एस. राव

उप संपादक
सुबोध कुमार

वरिष्ठ हिंदी अनुवादक
सरस्वती खनका

वरिष्ठ कलाकार
संजय एस. सोमदे

कलाकार
दिलीप पालकर
सी.एच.पुनवटकर

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड,
विले पार्ले (पश्चिम), मुंबई -400056
के लिए प्रकाशित
ईमेल: jagritikvic@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हो.

इस अंक में.....

समाचार सार ..... 3 से 34

श्री अमित शाह द्वारा साबरमती रिवरफ्रंट में स्मारक चरखे का अनावरण.....
खादी की बिक्री में बढ़ोतरी- स्मृति ईरानी.....
ग्लोबस स्टोर, चेन्नई में खादी कॉर्नर.....
स्वच्छता अभियान के तहत आयोग ने दिल्ली के पास जगतपुर गांव को गोद.....
महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत स्वप्न को पूरा करने के लिए आयोग के अध्यक्ष ने .....
आईएमसी ने चरखा दान के रूप में आयोग को 19.05 लाख रूपये दिए .....
आकर्षक पोडुरू खादी.....
उत्तराखंड में आयोग ने एक और गांधीवादी विरासत को पुनर्जीवित किया.....
आयोग ने कश्मीर में एक दिन में 2330 मधुमक्खी-बक्से वितरित कर अपना.....
एयर इंडिया से पुनः आपूर्ति ऑर्डर प्राप्त कर आयोग ने बनायी हैट-ट्रिक.....
अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस.....
आयोग ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया.....
'ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु में गिरावट के विरुद्ध मानवता की लड़ाई में खादी.....
आयोग के एमडीटीसी प्रशिक्षण केंद्र, बैंगलोर में विदेशी प्रतिनिधियों का दौरा.....
आयोग के सेवानिवृत्त वरिष्ठ कर्मचारियों का सम्मान.....
त्रिपुरा में मधुमक्खी पालन पर जागरूकता शिविर.....

सफलता की कहानी .....35 से 36

कंचन इंटरप्राइजेज-घर से होटल के बर्तनों तक

प्रेस कवरेज .....37 से 43

महात्मा को उनके जन्मभूमि में आयोग की अनूठी श्रद्धांजलि

श्री अमित शाह द्वारा साबरमती रिवरफ्रंट में स्मारक चरखे का अनावरण

अहमदाबाद: हमारे प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के अलावा अन्य कोई और नहीं, जिसने खादी के संदेश को सरल और सहज बनाया है और जिसका परिणाम है कि - पिछले चार सालों में खादी की बिक्री में 133 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जो वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के दौरान सालाना 6 प्रतिशत की वृद्धि दर देखने को मिली थी- यह बात राज्यसभा सांसद व बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने अहमदाबाद में 26.06.2018 को साबरमती रिवरफ्रंट में खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा स्थापित विशाल स्मारक स्टेनलेस स्टील चरखे के अनावरण कार्यक्रम के दौरान कही। 11 फीट ऊंचा, 22 फीट लंबा, और 6.5 फीट चौड़ा उच्च गुणवत्ता वाले क्रोमियम-निकल स्टेनलेस स्टील से बना यह चरखा खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) की एक संस्था द्वारा अहमदाबाद में बनाया गया है।

"प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने खादी के साथ रोजगार को जोड़ा है और उन्होंने बेरोजगारी के खिलाफ एक हथियार के रूप में चरखे का उपयोग किया है।"

उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए सांसद व बीजेपी अध्यक्ष श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी युवाओं के बीच खादी को लोकप्रिय बना रहे हैं और पिछले चार वर्षों में खादी ने प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना के माध्यम से 14 लाख से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान किया है। महात्मा गांधी की खादी क्रांति के साथ प्रधान मंत्री की मधु क्रांति की समानता के बारे में उन्होंने कहा: "नरेंद्रभाई ने खादी के साथ रोजगार को जोड़ा है। उन्होंने बेरोजगारी के खिलाफ एक हथियार के रूप में चरखे का उपयोग किया है। विगत ढाई वर्षों में, हमने 30,000 से अधिक चरखे वितरित किए हैं। गांधीजी, खादी क्रांति लाए थे, जबकि नरेंद्र मोदी मधु क्रांति लाएंगे। जैसे चरखा,महात्मा गांधी से जुड़ा है, वैसे ही शहद, नरेंद्र मोदी से जुड़ेगा।"

"सरकार सौर चरखा मिशन के तहत चरखा और सौर ऊर्जा को एकसाथ लाने के लिए काम कर रही है, जो पांच करोड़ महिलाओं को रोजगार प्रदान करेगा।"

केन्द्रीय एमएसएमई राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गिरिराज सिंह ने उद्घाटन समारोह को संबोधित करते कहा कि खादी को बढ़ावा देने वाले संस्थान लगभग गायब हो गए थे।"

मंत्री महोदय ने आगे कहा कि एनडीए सरकार, सौर चरखा मिशन के तहत चरखा और सौर ऊर्जा को एकसाथ लाने के लिए काम कर रही है, जो पांच करोड़ महिलाओं को रोजगार प्रदान करेगा।

इस अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि साबरमती के संत महात्मा गांधी को 150वीं जयंती से पूर्व इससे बेहतर श्रद्धांजलि नहीं हो सकती है कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने महात्मा के गृह राज्य में उनके अहिंसा और आत्मनिर्भरता का संदेश फैलाने के लिए साबरमती आश्रम के दूसरी तरफ विशाल स्टील चरखा स्थापित किया है। "वास्तव में 101 वर्ष पूर्व जून 1917 में गांधीजी ने देश भर में अहिंसा और आत्मनिर्भरता के संदेश को फैलाने के लिए साबरमती आश्रम की स्थापना की थी और अब हम वैश्विक स्तर पर उनकी नीतियों को प्रसार करने के लिए कोई रास्ता नहीं छोड़ रहे हैं।" उन्होंने आगे कहा, "अगले वर्ष गांधीजी के जन्मदिन की 150वीं वर्षगाँठ मनाने के लिए हम सभी उन जेलों को चरखा प्रदान करने

"अगले वर्ष गांधीजी के जन्मदिन की 150वीं वर्षगाँठ मनाने के लिए हम सभी जेलों को चरखा प्रदान करने जा रहे हैं जहां, गांधीजी को स्वतंत्रता संग्राम के दौरान रखा गया था।"

जा रहे हैं जहां, गांधीजी को स्वतंत्रता संग्राम के दौरान कैद कर रखा गया था।"

श्री सक्सेना ने आगे कहा कि यह चरखा, गांधीजी के पसंदीदा भजन 'वैष्णव जन से ते ने कहिये'.....की पृष्ठभूमि धुन के साथ नदी के किनारे प्रतिदिन सुबह 7 बजे से शाम 9 बजे तक मोटर से चलाया जाएगा।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि साबरमती नदी फ्रंट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड से इस चरखा की स्थापना के लिए आधिकारिक सहमति मिलने के बाद, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने सुभाष ब्रिज रिवर फ्रंट पार्क के गेट नंबर 3 के पास चार फीट ऊंचे ग्रेनाइट प्लेटफॉर्म के पिलिंग का काम शुरू कर किया । उन्होंने आगे बताया कि "आगरा में यमुना नदी के विपरीत तटों पर ताजमहल और लाल किला की याद दिलाने जैसा, इसी प्रकार यह विशाल स्टेनलेस स्टील चरखा महात्मा गांधी के मूल राज्य गुजरात में अपनी तरह का पहला चरखा होगा। चूंकि यह स्थान काफी व्यापक है, इसलिए यह चरखा एक छोर से दूसरी छोर तक साबरमती आश्रम में आने वाले सभी आगंतुकों को दिखाई देगा।"

यह उल्लेखनीय है कि पिछले तीन वर्षों में, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने देश भर में भव्य चरखे स्थापित

किए हैं ताकि लोगों को हमारे स्वतंत्रता संग्राम में चरखा के महत्व के बारे में स्मरण कराया जा सके। जबकि उच्च गुणवत्ता वाले टीक-काष्ठ के चरखा, जो दुनिया का सबसे बड़ा चरखा है, नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 में यात्रियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। ऐसे ही केवीआईसी द्वारा कनॉट प्लेस में राजीव चौक में स्थापित 12 फीट लंबा और 25 फीट चौड़ा स्टील चरखा इतना लोकप्रिय हो गया है कि अब लोग इस क्षेत्र को चरखा चौक के रूप में जानने लगे हैं। देश भर में मनाये गए चंपारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह के दौरान आयोग ने मोतीहारी में गांधी संग्रहालय के सामने स्थित चरखा पार्क में 18 फीट लंबा, 5.75 फीट चौड़ा और 9 फीट ऊंचा विशाल स्टील चरखा स्थापित किया है। गांधीजी के स्वदेशी आंदोलन के शताब्दी वर्ष समारोह के एक हिस्से के रूप में, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने युगांडा गणराज्य के सहयोग से युगांडा में, भारत के उच्चायोग को 25 किलोग्राम का उच्च गुणवत्ता वाले टीक लकड़ी से बना 3.6 फीट लंबा चरखा उपहार स्वरूप दान किया था जिसका अनावरण 2 अक्तूबर – जोकि अहिंसा अंतर्राष्ट्रीय दिवस भी है- को युगांडा के जिन्जा में गांधी विरासत स्थल में किया गया था।

हेरिटेज गांव-अर्णमुला में "खादी ग्रामम परियोजना" का उद्घाटन

खादी की बिक्री में बढ़ोतरी- स्मृति ईरानी

केन्द्रीय कपड़ा मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी ने अपने संबोधन में कहा है कि चार साल पहले केंद्र में श्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार सत्ता में आने के पश्चात खादी भारतीय संस्कृति का एक हिस्सा बन गयी है और दुनिया भर में इसकी लोकप्रियता कई गुना बढ़ गई है।

श्रीमती स्मृति ईरानी 'अर्णमुला' ग्राम में केंद्र सरकार की 'खादी ग्रामम परियोजना' का उद्घाटन करने के बाद बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि 'खादी ग्रामम'- सरकारी परियोजना का हिस्सा है जिसका उद्देश्य खादी उत्पादों के उत्पादन और बिक्री के माध्यम से 'अर्णमुला' को आत्मनिर्भर हेरिटेज गांव बनाना है।

श्रीमती ईरानी ने कहा कि देश में खादी उत्पादों की वार्षिक बिक्री में 3,900 करोड़ रुपये से 7,000 करोड़ रुपये तक वृद्धि हुई है।

उन्होंने यह भी कहा कि मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई मुद्रा ऋण योजना बहुत प्रचलित योजना है, इससे बड़ी संख्या में बेरोजगार युवा लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने कहा कि मुद्रा ऋण लाभार्थियों में से 70 % महिलाएं हैं।

माननीय सांसद श्री एंटो एंटनी ने इस समारोह की अध्यक्षता की। इस अवसर पर राज्यसभा सदस्य श्री वी. मुरलीधरन, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के सदस्य श्री जी. चंद्रमौली, कुलानादा ग्राम पंचायत अध्यक्ष श्री अशोकन कुलानादा और अरमानुला पंचायत उपाध्यक्ष श्री प्रसाद वरुमकाल ने भी समारोह को संबोधित किया ।

ग्लोबस स्टोर, चेन्नई में खादी कॉर्नर

चेन्नई स्थित ग्लोबस स्टोर्स में 30 जून 2018 को खादी कोर्नर खोलने के लिए खादी और ग्रामोद्योग भवन, एर्नाकुलम और मैसर्स ग्लोबस के मध्य एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करके आयोग ने उपलब्धि की एक और सीढ़ी पार की है, यह आधुनिकता के साथ विरासत का संयोजन है। इस खादी कोर्नर का उद्घाटन खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना द्वारा किया गया। इस अवसर पर मद्रास फ़र्टिलाइजर्स लिमिटेड की निदेशक सुश्री वनीथी श्रीनिवासन और आयोग के सदस्य (दक्षिण क्षेत्र) श्री जी.चंद्रमौली उपस्थित थे। इस प्रकार लोकप्रिय स्टोरों के खुदरा श्रृंखला के साथ समझौते से आयोग के त्रिस्तरीय लाभ होगा- इससे खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों की बिक्री और रोजगार में वृद्धि होगी एवं इस प्रक्रिया में शामिल शिल्पकारों/कारीगरों की मजदूरी में भी वृद्धि होगी।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि आधुनिक दुनिया में बिक्री एक प्रमुख क्षेत्र है, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने देश के प्रमुख मॉल और सुपरमार्केट में विशेष खादी कोरनर्स खोलने की एक नई पहल की है। 'यह ग्राहक के दरवाजे पर खादी की मौजूदगी सुनिश्चित करेगा । "उन्होंने यह भी जानकारी प्रदान की कि यह निश्चित रूप से रिटेल में खादी के लिए एक प्रमुख मार्केटिंग प्लान होगा और जिससे खादी की बिक्री बढ़ने उम्मीद है।" खादी के सांस्कृतिक मूल्य पर बोलते हुए उन्होंने दोहराया कि खादी में मानवता है और इसकी सुरक्षा करना और प्रचार करना हमारा कर्तव्य है क्योंकि यह हमारे कारीगरों की जीवन रेखा भी है।" उन्होंने कहा, 2508 करोड़ रुपये के कारोबार के साथ खादी की बिक्री

में 133% (पिछले वर्ष 25% के मुकाबले) की वृद्धि हुई है, जहां कोई बुनियादी ढांचा उपलब्ध नहीं है, वहां खादी - सबसे कम पूंजीगत निवेश के साथ परिवारों को जीवनयापन में सहयोग देने में मदद करती है। इसलिए पर्यावरण को बचाने के लिए खादी को स्वीकारने की जरूरत है।"

इससे पूर्व, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने 12 नवंबर 2018 को खादी और ग्रामोद्योग आयोग, मुंबई ने नोएडा, यूपी में स्टोर्स की ग्लोबस श्रृंखला में 'खादी कोर्नर' की स्थापना करने के लिए मैसर्स ग्लोबस के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया था। इस टाई-अप ने नोएडा के आसपास खादी संरक्षकों के लिए एक उत्कृष्ट शॉपिंग प्लेटफॉर्म प्रदान किया है।

मेसर्स ग्लोबस स्टोर्स में युवा पीढ़ी के खरीदारों का ज्यादा आवागमन रहता है, जो सूती, रेशमी, ऊनी, मसलिन और पॉलीवस्त्र के विभिन्न रूपों में हाथ कते और हाथ बुने सुरुचिपूर्ण डिजाइनर वस्त्रों की अभिव्यक्ति करते हैं, इसके साथ ही वे अन्य हर्बल ग्रामोद्योगी उत्पाद जैसे शहद, हर्बल हेयर केयर, बॉडी केयर, डिजाइनर मिट्टी के बर्तन, चर्म के फैंसी वस्तुएं, पीतल के सामान तथा घानी तेल इत्यादि भी स्टोर में उपलब्ध हैं। नोएडा में स्थित स्टोर का क्षेत्रफल 1800 वर्ग मीटर है।

इससे पहले, मुंबई में लोकप्रिय रिटेल श्रृंखला आउटलेट के माध्यम से खादी की बिक्री का प्रचार करने के लिए मुंबई में स्थित प्रमुख रिटेल श्रृंखला आउटलेट के प्रमुखों/मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष, सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम के सचिव, एआरआई के सयुंक्त सचिव के मध्य 16 नवंबर 2017 को एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में 20 से अधिक लोकप्रिय खुदरा श्रृंखला आउटलेट के प्रतिनिधि जैसे मेसर्स ग्लोबस, अपना बाजार, रेमंड्स, बिग बाजार, रहेजा, पेंटालून सहित खुदरा विक्रेता एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने विचार-विमर्श सत्र में भाग लिया जहां खुदरा कारोबार में निजी कारोबारियों और कॉर्पोरेट द्वारा पहल की गई थी, ताकि इन स्टोरों पर शॉप-इन-शॉप अवधारणा की पहल के माध्यम से अपने विपणन आउटलेट द्वारा खादी का प्रचार किया जा सके।

बैठक के परिणामस्वरूप मैसर्स ग्लोबस स्टोर प्रा. लिमिटेड, एक खुदरा कपड़ों के स्टोर की श्रृंखला है इसका मुख्यालय मुंबई में है, जिसमें भारत के 22 शहरों में 35 स्थानों में इसके स्टोर हैं, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने ग्लोबस से "खादी कॉर्नर" की स्थापना करने के लिए अपने 'स्टोर्स में' में जगह प्रदान करने के प्रस्ताव के साथ संपर्क किया था। खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा देने के लिए प्राथमिक तौर पर ग्लोबस के नोएडा और चेन्नई स्थित शोरूम में खादी कॉर्नर खोले गए हैं। ग्लोबस ने वाराणसी और अहमदाबाद में अपने आउटलेट सहित अन्य ग्लोबस सेल्स आउटलेट्स के माध्यम से चरणबद्ध तरीके से खादी कॉर्नर की संख्या में वृद्धि की पेशकश की है। खादी कॉर्नर पहले ही नोएडा स्थित ग्लोबस स्टोर्स में स्थापित किया जा चुके है और ये खादी कॉर्नर 4 जनवरी, 2018 से कार्यरत हैं।

स्वच्छता अभियान के तहत आयोग ने दिल्ली के पास जगतपुर गांव को गोद लिया

जगतपुर गांव (दिल्ली): दिल्ली सचिवालय से 10 किलोमीटर दूर - यमुना नदी पर स्थित इस पिछड़े गाँव के मुखिया 70 वर्षीय चौधरी विजय सिंह के लिए सोमवार शाम तक, मानसून का मतलब है कचरे का ढेर था ! लेकिन, सोमवार की शाम को खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना और सदस्य, मध्य क्षेत्र श्री जय प्रकाश तोमर ने हाथों में झाड़ू लेकर, दस्ताने पहनकर और डस्टबिन के साथ स्वच्छता अभियान की शुरुआत की; इससे जगतपुर के सभी आयु वर्ग के निवासियों में आशा की किरण दिखाई दी।

जब खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने स्वच्छता अभियान के तहत इस गांव को गोद लेने का फैसला किया, तो गांव के युवाओं के बीच उत्साह की लहर फ़ैल गई । "यमुना घाट का सौंदर्यीकरण करने और स्वच्छता अभियान चलाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु , खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने इस गांव को स्वच्छता से स्वस्थ्य बनाने का तरीका दिखाया है। "30 वर्षीय जगतपुर युवा विंग के संयोजक श्री राकेश कुमार कहते हैं कि यदि खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष हमारे गांव की सड़क और घाट पर लगभग एक किलोमीटर तक सफाई कर सकते हैं तो जगतपुर को स्वच्छता अभियान से आदर्श गांव बनाना हमारा नैतिक दायित्व है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के स्वच्छता अभियान की शुरुआत इस गांव के जैव विविधता पार्क में वृक्षारोपण के साथ शुरू हुई थी और गांव के अन्य हिस्सों, यानी यमुना नदी के तट पर सफाई अभियान चलाया गया। स्वच्छता अभियान के बाद एकत्र हुए हजारों ग्रामीणों को संबोधित करते हुए खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि वह सभी ग्रामीणों अर्थात स्कूल के बच्चों से लेकर बूढों द्वारा की गई प्रतिक्रिया से उत्साहित हैं। "इस तरह की सार्वजनिक भागीदारी से, जगतपुर गाँव- दिल्ली और एनसीआर के सबसे खूबसूरत गांवों में से एक जाना जाएगा।" उन्होंने कहा कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग के पदाधिकारी पहले से ही उचित रूप से सफाई करके कचरे को एकत्रित कर सफ़ाई अभियान चला चुके हैं।

15 वर्षीय स्कूली छात्र अभिषेक की टिप्पणी का हवाला देते हुए कहा कि 'कोई भी अपनी मां (भूमि) के मैली सूरत को पसंद नहीं करता, श्री सक्सेना ने कहा- "इस लड़के की टिप्पणी हमें स्वच्छता के लिए प्रेरित करेगी। केवीआईसी, ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी के साथ प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदीजी द्वारा किये गए आव्हान का अनुपालन करते हुए यह स्वच्छता अभियान से इस गांव को 'मॉडल' बना सकता है। वर्तमान में, हमने गांव के सभी 18 घुमावदार गलियों को स्वच्छ रखने के लिए स्थानीय सफाई कर्मचारियों को किराए पर रखा है और केवीआईसी द्वारा इन कर्मचारियों को वेतन का भुगतान किया जाएगा।"

तत्पश्चात, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष के साथ बैठकर ग्रामीणों ने निर्णय लिया कि गाँव

(शेष पृष्ठ 20 पर)

महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत स्वप्न को पूरा करने के लिए आयोग के अध्यक्ष ने सभी पदाधिकारियों को प्रोत्साहित किया

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

आयोग के केंद्रीय और राज्य कार्यालयों के अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने 15 जून, 2018 को स्वच्छता प्रतिज्ञा ली। आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना और मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रीता वर्मा द्वारा यह प्रतिज्ञा केन्द्रीय कार्यालय के प्रार्थना कक्ष में दिलायी गई। अधिकारियों तथा कर्मचारियों को संबोधित करते हुए आयोग के अध्यक्ष ने सभी से अपने कार्यस्थल और घरों के आसपास के स्थान को स्वच्छ और आरोग्य रखने पर ज़ोर दिया। उन्होंने इस स्वच्छता अभियान के तहत महाराष्ट्र में एक गांव और दिल्ली के पास एक गांव को अपनाने के बारे में भी जानकारी दी। यह स्वच्छता पखवाड़ा 15 जून से 2 जुलाई, 2018 तक मनाया गया।

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

जयपुर

नई दिल्ली

कोलकाता

चेन्नई

मेरठ

बंगलुरु

अगरतला

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

अहमदाबाद

अंबाला

एर्णाकुलम

एटा

गुवाहाटी

सीहोर

भोपाल

शिमला

शिलाँग

जम्मू

सी.बी. कोरा, बोरीवली

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

बाड़मेर

दहाणु

पंजोखेरा

त्रिपुरा

हुबली

नागपुर

दीमापुर

स्वच्छता पखवाड़ा
Swachhta Pakhwada

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

आईएमसी ने चरखा दान के रूप में आयोग को 19.05 लाख रुपये दिए

महात्मा गांधी की 150वीं वर्षगांठ और उनके इंडियन मर्चेंट्स चैंबर (आईएमसी) के मानद सदस्य बनने के लिए आईएमसी ने अपने मुंबई मुख्यालय में 15 जून 2018 को आईएमसी दिवस मनाया। आईएमसी के अध्यक्ष श्री ललित कनोडिया ने भारत में जरूरतमंद कारीगरों को चरखा आपूर्ति करने के लिए 19.05 लाख रुपये का चेक आयोग के 'आजीविका सहयोग दान कार्यक्रम' के तहत खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष को श्री विनय कुमार सक्सेना को सौंपा। 19.05 लाख रु. का यह दान कई कारीगरों को आत्मनिर्भरता बनाएगा और उनके परिवारों के जीवन को स्थायित्व प्रदान करेगा।

चरखा दान के इस नेक कार्य की शुरुआत करने वाले खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने इस अवसर पर दोहराया कि ग्रामीण भारत में रहने वाले दस लाख से अधिक कारीगर जिनमे मुख्यतः महिलाएं हैं , एक ही साधन की इच्छा रखती हैं – चरखा, जो उन्हें खादी सूत कातने के साथ ही उनके परिवारों के जीवन को स्थायित्व प्रदान करता है और जब वे एक सूत कातने में सक्षम होते हैं, तो 15,000 रुपये की लागत से निर्मित होने वाला यह एक चरखा-उन्हें समस्त परिवार की आजीविका चलाने की क्षमता प्रदान करता है। खादी के सांस्कृतिक मूल्य पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि खादी में मानवता है, और यह हमारा कर्तव्य है कि हम इस वस्त्र का संरक्षण व प्रचार करें क्योंकि यह हमारे कारीगरों की जीवन रेखा भी है । उन्होंने ने बताया कि "खादी की विकास दर 2508 करोड़ रुपये के कारोबार के साथ 133% (पिछले वर्ष के मुकाबले 25%) रही है। खादी की बड़ी जरूरत वहां है, जहां कोई बुनियादी ढांचा उपलब्ध नहीं है, वहां खादी - सबसे कम पूंजी निवेश के साथ - परिवारों को सहयोग करने में मदद करती है। इसलिए मानवता और पर्यावरण को बचाये रखने के लिए खादी को अपनाने की जरूरत है।"

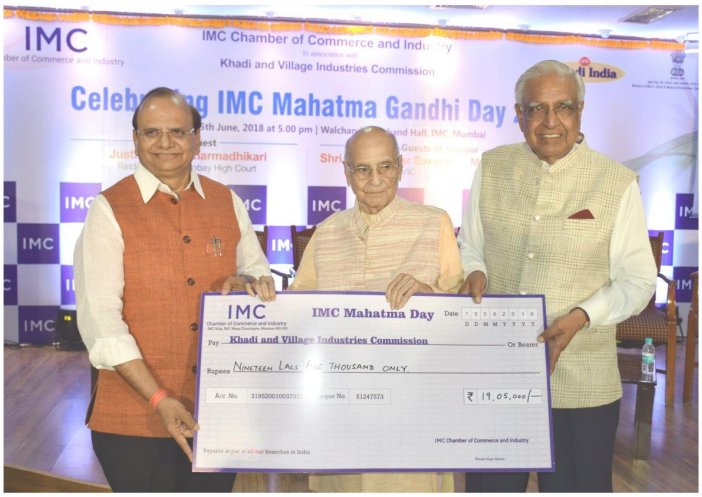

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व न्यायमूर्ति श्री सी.एस. धर्माधिकारी ने कहा कि खादी एक दर्शन है जिसे वर्तमान में सुदृढ करने व प्रोत्साहन की आवश्यकता है। लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करने के अलावा खादी का उपयोग राष्ट्रीय आवश्यकता है क्योंकि यह पर्यावरण को किसी तरह से नुकसान नहीं पहुंचती ।"खादी में "आत्महत्या" को रोकने की शक्ति है, जब कृषि का मौसम खत्म हो जाता है, तो चरखा शारीरिक श्रम की गरिमा को जोड़ता है और किसानों की आय में वृद्धि करता है। उन्होंने कहा कि भारत में हर साल कम से कम एक खादी वस्त्र पहनने पर लगभग दो करोड़ खादी कारीगरों को मजदूरी मिलेगी। श्री धर्माधिकारी का मानना है कि 'खादी का मतलब सभी प्रकार के शोषण से स्वतंत्रता है।'

आईएमसी चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्री ललित कनोडिया ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि आईएमसी की मानद सदस्यता के साथ गांधी जी जैसे संरक्षक का आशीर्वाद मिलना आईएमसी के लिए गौरव की बात है। गांधी का एक खादी कपड़ा और व्यापार की सलाह आज भी बहुत प्रासंगिक है। " गांधीजी ने अंग्रेजों को देश से बाहर

निकालने में उनकी कमर तोड़ दी। श्री ललित कनोडिया ने कहा कि हमें अपने 111 वर्षीय आईएमसी के दो लाख निगमों की आवाज़ के माध्यम से दुनिया भर में उसी दिशा में अपने वैक्टरों को इंगित करने की जरूरत है।

मणि भवन की अध्यक्ष सुश्री उषा ठक्कर ने गाँधीजी पर एक पुस्तक " गाँधीजी इन मुंबई टुवर्ड स्वराज" का विमोचन करते हुए इस बुक में वर्णित गांधीजी के बॉम्बे शहर में अपने जहाज डॉकिंग के साथ अफ्रीका से लौटने के दौरान वर्षों से बॉम्बे शहर से उनके 'सिंबियोटिक' संबंध के बारे में विचार साझा किये, ये सन्दर्भ जो "लंदन के झुंड" के रूप में बुक में वर्णित हैं। उन्होंने बताया, "गांधी - जो एक मास्टर डायरेक्टर थे-ने अपने विभिन्न समुद्र तटों पर विरोध प्रदर्शन के माध्यम से ब्रिटिश शासन के विरोध को शुरू करने के लिए एक ही उत्साहित शहर बॉम्बे को चुना, जहाँ से उन्होंने नागरिक अवज्ञा, भारत छोड़ो आंदोलन और अन्य विरोध प्रदर्शनों

(शेष पृष्ठ 23 पर)

आकर्षक पोडुरू खादी

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले की महिला खादी कतिनों ने आईएमसी में सूत की कताई करने के लिए सर्वप्रथम शुरुआत "वालुगु" नामक (सूती की गंदगी को साफ करने के लिए) गोदावरी नदी के मछली के फिशरबोन का उपयोग करके कपास सफ़ाई और सूत तैयार करने से लेकर अपने चरखा कौशल का भी प्रदर्शन किया। सूत बनाने से पहले कपास की सफाई करने में फिशरबोन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता होती है। कपास से सूत बनाने के दिलचस्प जीवंत प्रदर्शन संस्थान के कत्तिनों द्वारा दिखाया गया था। ये कत्तिन सप्ताह में करीब 4 दिनों तक कताई करके एक हफ्ते में लगभग 400 रुपये अर्जित कर सकते हैं। कुल मिलाकर उनकी मासिक आमदनी 1500 रु. से 1600 रुपये के आसपास होती है। प्रदर्शन में भाग लेने वाली एक कत्तिन ने बताया कि वे लगभग 1000 मीटर बनाने के लिए लगभग 100 रू. अर्जित करतीं हैं। सूत का यह कार्य उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाकर उनके जीवन को सार्थक बनता है।

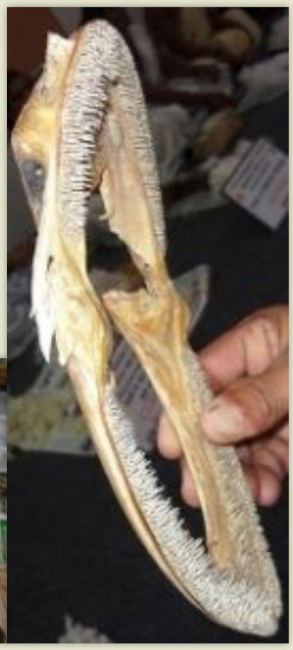

पोंडुरु वास्तव में एक कताई और बुनाई कार्य का शहर है, जहाँ यह कार्य पट्टूशाली, साली और देवंगी समुदायों के घरों में किया जाता है। पट्टूशाली समुदाय की महिलाओं को सभी पारंपरिक वस्तुओं से जिनिंग (कपास को बीज से अलग करना), कार्डिंग, स्लाइवरिंग जो महीन सूती कताई करने के लिए आवश्यक, आदि सूत बनाने की पारंपरिक कला में महारथ हासिल है। इसके लिए वे लाल कपास का उपयोग करती है जो विजयनगरम और श्रीकाकुलम जिलों में उगायी जाती है। ●●

उत्तराखंड में आयोग ने एक और गांधीवादी विरासत को पुनर्जीवित किया

अल्मोड़ा / नैनीताल: जब खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने राज्यसभा सांसद व भाजपा अध्यक्ष श्री अमित शाह के करकमलों द्वारा अहमदाबाद में 26 जून, 2018 को साबरमती रिवरफ्रंट पार्क, गेट नं .3 में विशाल 'स्टेनलेस स्टील चरखा' का अनावरण किया, वहीं महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती से पूर्व आयोग ने 23 जून को उत्तराखंड में अपनी एक और विरासत को भी पुनर्जीवित किया।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कारीगरों को 20 से अधिक आठ तकुआ न्यू मॉडल चरखे वितरित किये। इस अवसर पर लोगों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 1929 में महात्मा गांधी के शिष्य शांति लाल त्रिवेदी ने अल्मोड़ा जिले के चनौदा क्षेत्र में श्री गांधी आश्रम की स्थापना की थी। यह अल्मोड़ा जिले में एकमात्र ही खादी विनिर्माण संस्था है और वित्तीय समस्याओं के कारण अपेक्षित मात्रा में उत्पादन करने की स्थिति में नहीं थी। एक समय था जब यह आश्रम उत्तर भारत में सबसे बेहतर सूती और ऊन खादी उत्पादन करने वाली इकाइयों में से एक था। चूंकि खादी और ग्रामोद्योग आयोग-कारीगरों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, हमने वहां 20 चरखे वितरित किए। हम संस्था को चलाने के लिए कार्यशील पूंजी के रूप में 25 रुपये से कम मूल्य में पूनी भी प्रदान करेंगे । ऐसा करने से इस विरासत संस्था में न केवल खादी के उत्पादन में वृद्धि होगी, बल्कि हमारे कारीगरों के उपार्जन में भी वृद्धि होगी। प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के खादी के माध्यम से आर्थिक परिवर्तन के सिद्धांत के साथ मिलकर महात्मा गांधीजी विरासत के इस स्वदेशी प्रतीक को बचाने का हमारा प्रयास है।

यह ध्यान दिया जा सकता है कि इस गांधी आश्रम के श्रमिकों ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान एक महत्वपूर्ण भूमिका निभायी, जब ब्रिटिश सरकार ने आश्रम के लगभग 50 श्रमिकों को गिरफ्तार किया और उनमें से पांच लोगों ने भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान अपना बलिदान दिया।

इससे पहले, श्री सक्सेना ने नैनीताल जिले के पिछड़े गांव जेओलि कोट पहुंचे, जहां आयोग ने अपने महत्वाकांक्षी 'हनी मिशन' कार्यक्रम के तहत गांव के सभी 90 परिवारों को अपनाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, "हमने 30 परिवारों के बीच 300 मधुमक्खी-बक्से वितरित किए हैं तथा अन्य 30 और परिवारों को 300 मधुमक्खियों के बक्से प्रदान किये जायेंगे ।" उन्होंने आगे कहा, "उत्तरखंड में खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा की गयी इस विकास पहल से एक आशा की किरण जगायी है, यहां ग्रामीण इलाकों में लोग विकास का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं। मधुक्रान्ति के तहत मक्खीपालन से उत्तराखंड क्षेत्र की समृद्ध वनस्पतियों और जीवों को क्रॉस परागण के माध्यम से भी बढ़ाया जाएगा। "

◈◈

(पृष्ठ 13 से आगे)

आयोग ने अपने स्वच्छता अभियान के तहत दिल्ली के पास जगतपुर गांव को गोद लिया.....

की अपनी गलियों में सफाई सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक लेन के लिए दो प्रभारियों का चयन किया गया। इसके साथ ही जो भी जानबूझकर गांव को गंदा करता है ग्रामीणों ने उन पर दंड लगाने का भी फैसला किया।"

यह भी ध्यान दिया जा सकता है कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने यमुना नदी के किनारे 20 पार्क बेंच स्थापित करने का भी निर्णय लिया है। स्वच्छता मिशन के तहत खादी और ग्रामोद्योग आयोग का अगला अभियान मुंबई के जुहू बीच में होगा।

◈◈

आयोग ने कश्मीर में एक दिन में 2330 मधुमक्खी-बक्से वितरित कर अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

कुपवाड़ा (कश्मीर): कुपवाड़ा स्थित ज़ंगली सेना क्षेत्र में खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने मंगलवार को अपने ही एक कार्यक्रम का रिकॉर्ड तोड़ने का संकेत दिया है। एक महीने से भी कम समय में खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने सबसे ज्यादा मधुमक्खी बक्से अर्थात 2330 बक्से वितरित करके एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। जबकि इससे पहले आयोग ने विश्व मधुमक्खी दिवस पर असम में काजीरंगा वन क्षेत्र में मिशिंग जनजातियों के मध्य 1000 मधुमक्खी बक्से वितरित कर विश्व रिकॉर्ड दर्ज किया था।

भारतीय सेना के सद्भावना कार्यक्रम के सहयोग से खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने 233 लाभार्थियों के मध्य 2330 मधुमक्खी-बक्से वितरित किए।

जम्मू-कश्मीर के उप मुख्यमंत्री श्री कविंदर गुप्ता इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्थित थे, उन्होंने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग के कार्यक्रम तथा प्रधान मंत्री के 'मेक इन इंडिया' मिशन के माध्यम से घाटी में लाखों रोजगारों का सृजन हो सकता है। उन्होंने आगे कहा कि "खादी और ग्रामोद्योग आयोग का यह हनी मिशन कार्यक्रम निश्चित रूप से जम्मू-कश्मीर में विकास का एक नया अध्याय स्थापित करेगा।"

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने अपने संबोधन में कहा कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग के 'हनी मिशन' का लक्ष्य प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मधुक्रान्ति के आह्वान को पूरा करना है, जिन्होंने 10 दिसंबर, 2016 को बनस डेयरी के एक समारोह में कहा था कि 'राष्ट्र को श्वेत क्रांति के बाद स्वीट क्रांति की जरूरत है। "मधु क्रांति' के लिए प्रधान मंत्री के आह्वान को साकार करने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने' हनी मिशन 'नामक एक कार्य योजना बनायी -

जिसमें देश भर में नवंबर 2018 से पूर्व 1.3 लाख मधुमक्खी बक्से वितरित करने के लक्ष्य रखा गया है, इस मिशन के तहत अब तक 27,000 मधुमक्खी बक्से पहले ही वितरित किए जा चुके हैं और भारतीय सेना के साथ आगे बढ़ना वास्तव में ऐतिहासिक कदम है - जिसने घाटी में शांति और सद्भाव स्थापित करने के मामले में यहां अपने सद्भावना कार्यक्रम के तहत लाखों लोगों का दिल जीता है। "यह जम्मू-कश्मीर के सबसे दूरस्थ गांवों से संबंधित इन 233 लाभार्थियों की आंखों में आशा की किरणों को देखकर मुझे बहुत खुशी देता है - जिसे सबसे महत्वपूर्ण वनस्पतियों और जीवों के लिए 'पृथ्वी का स्वर्ग' कहा जाता है।" उन्होंने आगे बताया कि "खादी और ग्रामोद्योग आयोग, प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम(पीएमईजीपी) की एक नोडल एजेंसी भी है, इसलिए हम शहद के प्रसंस्करण, बोतल, पैकेजिंग और लेबलिंग इकाइयों की स्थापना करने के लिए इस कार्यक्रम के तहत लोगों को ऋण प्रदान करेंगे।"

श्री सक्सेना ने आगे कहा कि वर्तमान समय में जब स्थायी विकास और रोजगार सृजन समय की सबसे बड़ी जरूरत है। मधुमक्खी पालन से बेहतर उद्यम और कोई नहीं हो सकता है, जो न्यूनतम निवेश और कम इनपुट व्यापार व्यवस्था पर आधारित है। उन्होंने आगे कहा कि "यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आत्मनिर्भरता के द्वार को निश्चित रूप से खोलेगा और यह परिस्थितिक संतुलन भी बनाएगा।"

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की सदस्य (उत्तर क्षेत्र) डॉ हिना शफी भट्ट, जिन्होंने स्वयं इस मधुमक्खी बॉक्सेस वितरण कार्यक्रम की पूरी प्रक्रिया की निगरानी की है, ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधान मंत्री के मिशन को पूरा करना है, ताकि बेरोजगार युवाओं को उनके घर पर रोज़गार उपलब्ध कराया जा सके। "मुझे यकीन है कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग के हनी मिशन कार्यक्रम के तहत हम न केवल उन्हें नौकरियां मुहैया कराएंगे बल्कि उन्हें वैश्विक स्तर पर कश्मीर के शहद के ब्रांडिंग और विपणन के लिए एक उचित मंच भी प्रदान करेंगे।"

मेजर जनरल श्री सी.बी. पोनप्पा, वीएसएम जीओसी वजरा डिवीजन कुपवाड़ा ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे विकास कार्यक्रम जम्मू-कश्मीर में शांति और सद्भाव स्थापित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

यह उल्लेखनीय है कि आयोग ने युवाओं के लिए रोज़गार का सृजन करने का लक्ष्य रखा है। जम्मू-कश्मीर में कुपवाड़ा क्षेत्र के गंदरबल और पुलवामा जिलों में मधुमक्खी कॉलोनियों की पहचान करने में 2 3 3 लाभार्थियों को व्यावहारिक उपकरण से परिचित कराने, मधुमक्खी एनमी और बीमारी की पहचान कराने और प्रबंधन, शहद निष्कर्षण और मोम शुद्धिकरण एवं वसंत, ग्रीष्म, मानसून ऋतु और सर्दी के मौसम में मधुमक्खी कॉलोनियों के प्रबंधन करने में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कुपवाड़ा जिले में यह प्रशिक्षण भारतीय सेना के सहयोग से आयोजित किया गया था। भारतीय सेना ने न केवल प्रशिक्षण प्रदान करने में मदद की बल्कि लाभार्थियों को अपना स्वयं का मधुमक्खी उपनिवेश स्थापित करने के लिए 10 प्रतिशत योगदान दिया, जिससे उन्हें अपनी आजीविका अर्जित करने के लिए एक बेहतर मंच प्रदान किया गया।

प्रशिक्षित मधुमक्खीपालकों को प्रमाण पत्र देने के अलावा खादी और ग्रामोद्योग आयोग के विशेषज्ञों ने विभिन्न मौसमों के दौरान शहद मधुमक्खी प्रजातियों, उपनिवेश संगठन, श्रम विभाजन और शहद मधुमक्खी के जीवन चक्र और शहद मधुमक्खी उपनिवेशों के प्रबंधन के बारे में भी जानकारी प्रदान की। ●●

उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी में आयोजित व्यापार सुविधा प्रदर्शनी में खादी सूचना काउंटर का दौरा किया

गुजरात सरकार के शिक्षा मंत्री श्री भूपेंद्र सिंह चुडासमा ने बारडोली खादी भवन का दौरा किया। खादी प्रेमी श्री सिंह, गुजरात राज्य में हमेशा खादी गतिविधियों का प्रोत्साहित करते रहे हैं।

आयोग के राज्य कार्यालय, जयपुर में ई-ऑफिस सिस्टम पर आयोजित एक हिंदी कार्यशाला।

(पृष्ठ 19 से आगे)

आईएमसी ने चरखा दान के रूप में आयोग को 19.05 लाख रुपये दिए.....

में उत्साह के साथ अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की।"

इस अवसर पर आईएमसी ने श्रीमती राजश्री बजाज, जीडी बजाज की पत्नी और तीन बजाज समूह की कंपनियों की निदेशक और श्री शेखर बजाज, प्रबंध निदेशक, बजाज इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के अलावा आन्ध्र प्रदेश 65 वर्ष की उत्कृष्ट खादी कत्तिन-श्रीमती कल्पना किन्नमाडलू, जो कि अपनी 16 वर्ष की उम्र से कताई कार्य कर रही हैं और अपनी कार्य से पूरी तरह संतुष्ट हैं, को सम्मानित किया।

खादी को बढ़ावा देने के लिए आईएमसी और केवीआईसी ने संयुक्त रूप से मुंबई के बजाज भवन, नरीमन पॉइंट, मुंबई में खादी और ग्रामोद्योगी क्षेत्र के प्रमुख उत्पादों की दो दिवसीय प्रदर्शनी 16 और 17 जून 2018 को आयोजित की। दिनाक 16 जून 2018 को खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने आई.एम.सी. के अध्यक्ष डॉ ललित कनोडिया के साथ इस प्रदर्शनी की उदघाटन किया तथा प्रदर्शनी में प्रदर्शित स्टालों का दौरा कर उत्पादों की सराहना की। प्रदर्शनी में खादी और पॉली विशाल वस्त्र, पेटोला रेशम साड़ी, हर्बल और कृषि उत्पादों, चमड़े के उत्पाद, घरेलू सामन, हस्तशिल्प और कुम्हारी उत्पाद आदि जैसे उत्पादों को शामिल किया गया।

आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रीता वर्मा ने 6 जून, 2018 को दो पीएमईजीपी इकाइयों का दौरा किया, जिसमें पहली मुंबई में माहिम स्थित कंचन स्टील उत्पाद विनिर्माण इकाई और दूसरी, पालघर जिले में देना बैंक द्वारा वित्त पोषित केतकी साबुन इकाई है।

एयर इंडिया से पुनः आपूर्ति ऑर्डर प्राप्त कर आयोग ने बनायी हैट-ट्रिक

नई दिल्ली: अपने यूएसपी को बनाए रखने के लिए तीसरी बार खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने अंतर्राष्ट्रीय हवाई यात्रियों के लिए खादी हर्बल सौंदर्य उत्पादों से युक्त अमेनिटी किट की आपूर्ति करने हेतु एयर इंडिया से 8 करोड़ रुपये का ऑर्डर प्राप्त किया है।

यह जानकारी देते हुए, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि स्वदेशी वस्त्र के उपयोग को बढ़ावा देने एवं खादी और ग्रामोद्योग आयोग से सोर्सिंग बढ़ाने के लिए, एयर इंडिया ने अपने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में प्राकृतिक और पर्यावरणनुकूल खादी उत्पादों को उपयोग में लाने के लिए पुनः आपूर्ति ऑर्डर देने का निर्णय लिया है तथा खादी और ग्रामोद्योग आयोग को अपने प्रथम क्लास और बिजनेस क्लास यात्रियों के लिए 1.85 लाख अमेनिटी किट के लिए 8 करोड़ रुपये का ऑर्डर दिया है। "यह खादी और ग्रामोद्योग आयोग के लिए गर्व की बात है कि एयर इंडिया ने तीसरी बार अमेनिटी किट का ऑर्डर दिया।

उन्होंने कहा कि इस संबंध में 12 जून 2018 से एक वर्ष की अवधि हेतु कॉट्रेक्ट में विस्तार करने के लिए एयर इंडिया से सूचना प्राप्त हुई है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष ने आगे बताया कि एयर इंडिया का नवीनतम ऑर्डर ग्रामीण कारीगरों को सूक्ष्म उद्यमों के माध्यम से स्थायी रोजगार प्रदान करने में सहयोग करेगा। "इससे पहले सितंबर 2016 में, एयर इंडिया ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग को खादी साबुन केक के 5.75 लाख टुकड़े की आपूर्ति करने के लिए एक बड़ा ऑर्डर दिया था। उससे पहले, जून 2016 में, एयर इंडिया ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग को 1.85 लाख अमेनिटी किटो के लिए 8 करोड़ रुपये का आपूर्ति ऑर्डर दिया था। दिसंबर 2015 में, एयर इंडिया ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग को 1.21 करोड़ रुपये के 25,000 अमेनिटी किटों की आपूर्ति के लिए ट्रायल ऑर्डर दिया था - जिसे खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने निर्धारित समय पर ऑर्डर की आपूर्ति की।" उन्होंने आगे कहा, " खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने अपनी गुणवत्ता और समयबद्ध आपूर्ति के साथ कभी भी समझौता नहीं किया।

इस अमेनीटी किट में खादी हेंड सेनिटाइजर, खादी मॉइस्चराइज़र लोशन, खादी लेमन्ग्रास, खादी हस्तनिर्मित साबुन, खादी लिप बाम, खादी फेस रोज वाटर, सुगन्धित तेल आदि शामिल हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

1. माननीय एमएसएमई मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने नवादा, बिहार में योग का अभ्यास करके अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में भाग लिया।

2. योग दिवस के अवसर पर सचिव, एमएसएमई डॉ अरुण कुमार पांडा के साथ एमएसएमई के सभी वरिष्ठ कर्मचारियों ने उद्योग भवन में सुबह योग का अभ्यास किया।

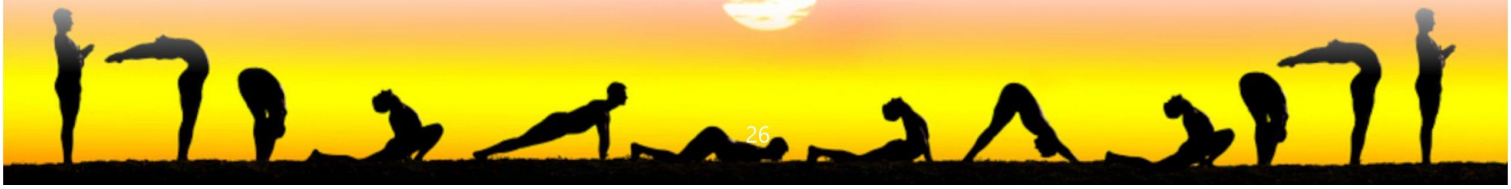

आयोग ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के मुख्यालय, मुंबई में आज प्रातः योग के विभिन्न आसन, मुद्रा एवं प्राणायाम के अभ्यास कराये गए जिसकी शुरुआत शारीरिक शिथिलता को दूर करने के लिए सूक्ष्म व्यायामों से की गई तत्पश्चात योगाचार्य के दिशा निर्देशों पर वृक्षासन, ताड़ासन, गरुणासन, त्रिकोणासन व सलभासन, धनुरासन, नौकासन, सर्वांगासन, मकरासन, भुजंगासन आदि आसनों का अभ्यास किया गया।

सूर्य नमस्कारों के बारह चक्रों के साथ ही अनुलोम विलोम, भस्त्रिका, कपाल भांति व भ्रामरी प्राणायाम का भी अभ्यास कर योग दिवस को सफल बनया गया।

इस अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग की वित्तीय सलाहकार सुश्री उषा सुरेश; उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी व अन्य अधिकारी व कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

बहु उद्योगीय प्रशिक्षण केंद्र, नई दिल्ली

राज्य कार्यालय, जयपुर

मण्डलीय कार्यालय, मेरठ

मण्डलीय कार्यालय, हुबली

राज्य कार्यालय, लखनऊ

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

राज्य कार्यालय, त्रिवेंद्रम

राज्य कार्यालय, चेन्नई

आंचलिक/राज्य कार्यालय व एम.डी.टी.सी.,बंगलुरु

मण्डलीय कार्यालय, विशाखापत्तनम

राज्य कार्यालय, अगरतला

राज्य कार्यालय, भोपाल

केन्द्रीय पूनी संयंत्र, कुत्तुर

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

राज्य कार्यालय, कोलकाता

खादी भवन, एर्नाकुलम

राज्य कार्यालय, रांची

केन्द्रीय पूनी संयंत्र, एटा

केन्द्रीय पूनी संयंत्र, सीहोर

आयोग ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

'ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु में गिरावट के विरुद्ध मानवता की लड़ाई में खादी एक प्रमुख घटक'

इसका नमूना : एक मीटर खादी वस्त्र बनाने के लिए केवल तीन लीटर पानी की जरुरत होती है, जबकि एक मीटर मिल वस्त्र बनाने के लिए 55 लीटर पानी की जरुरत होती है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि "एक हरित अर्थव्यवस्था वह है जिसके परिणामस्वरूप मानव कल्याण और सामाजिक निष्पक्षता में सुधार हुआ है, जबकि पर्यावरणीय जोखिम और परिस्थितिकीय दुर्लभता में काफी कमी आयी है।

मानवता के सामने आजकल सबसे मुश्किल चुनौती परिस्थितिकीय सीमाओं के भीतर आर्थिक विकास करने की जरुरत है। लंबी अवधि में स्थिरता प्राप्त करने के लिए मानवता को सीमाओं के भीतर रहना चाहिए। मानव कल्याण/समृद्धि अर्थव्यवस्था का मुख्य एजेंडा होना चाहिए, जो आर्थिक गतिविधि को प्रेरित करता है और आर्थिक उत्पादन को न्यायसंगत बनाता है।"

श्री सक्सेना ने आगे कहा कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग में, मानव ऊर्जा महत्वपूर्ण कारक है। "60 से अधिक वर्षों तक खादी भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई से जुड़ी रही है, लेकिन आज इसे ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध हमारी लड़ाई में प्रमुख घटकों में से एक माना जाता है। हम एक युद्ध लड़ रहे हैं जिसकी हम स्वयं शुरुआत कर चुके हैं। ग्लोबल वार्मिंग मनुष्य के लालच और लालसा का परिणाम है, यह मनुष्य के डरावनी कृत्यों के लिए प्रकृति का जवाब है। आर्थिक विकास के लिए ऊर्जा विशेष रूप से भारत जैसे विकासशील देश में महत्वपूर्ण है। जैसा कि हम जानते हैं, वस्त्र उद्योग सबसे अधिक प्रदूषण और ऊर्जा ह्रास उद्योगों में से एक माना जाता है। इसमें बड़ी संख्या में पौधे शामिल हैं, जो ऊर्जा की एक बड़ी मात्रा का उपभोग करते हैं।" उन्होंने आगे कहा," खादी वाणिज्यिक प्रतियोगिता का प्रतीक नहीं है, बल्कि

वाणिज्यिक शांति का प्रतीक है और इसने न केवल देश भर में रोजगार फैलाया है, बल्कि स्थायी विकास के साथ समृद्धि भी बनायी है। दुनिया भर के देश, वस्त्र उद्योगों के भीतर कार्बन को कम करने के लिए नए-नए तरीकों और साधनों की तलाश में हैं और खादी जैसे कम ऊर्जा विकल्पों की ओर भारी खर्च कर रहे हैं, जो पर्यावरण अनुकूल और हस्तनिर्मित है।"

न्यूनतम कार्बन फुटप्रिंट के बारे में संक्षेप में बताते हुए खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि सभी वस्त्र प्रक्रियाओं का पर्यावरण पर प्रभाव पड़ता है क्योंकि इसमें पानी, ऊर्जा और कोयले जैसे प्राकृतिक संसाधनों का बड़ी मात्रा में उपयोग होता है। जबकि कई संचालन रासायनिक रेत सॉल्वैंट्स का उपयोग करते हैं। "हमें याद रखना चाहिए कि भारत को सबसे स्थायी और पर्यावरणीय उत्पाद-खादी से आशीर्वाद मिला है, जिसे हमारे राष्ट्रपिता के अलावा किसी अन्य ने नहीं दिया था। चूंकि खादी- सूती, रेशमी और ऊनी धागों के समिश्रण से बनी है और यह हाथ कता और हाथ बुना वस्त्र है, अर्थात बिना बिजली के तैयार किया जाने वाला यह एकमात्र वस्त्र है, जो जीवाश्म ईंधन का उपयोग नहीं कर रहा है। खादी का निर्माण पर्यावरण अनुकूल है। क्योंकि यह बिजली इकाइयों पर निर्भर नहीं है और इसकी विनिर्माण प्रक्रियाएं किसी जहरीले अपशिष्ट उत्पादों को उत्पन्न नहीं करती हैं।" उन्होंने आगे बताया कि "शोधों ने यह साबित कर दिया है कि खादी वस्त्र, मिल में तैयार वस्त्र से लगभग 3.24 गुना ऊर्जा किफ़ायती है। सभी वस्त्र मिलों में ऊर्जा का भरपूर उपयोग किया जाता है, जिसमें से ठोस, निर्वहन प्रदूषण

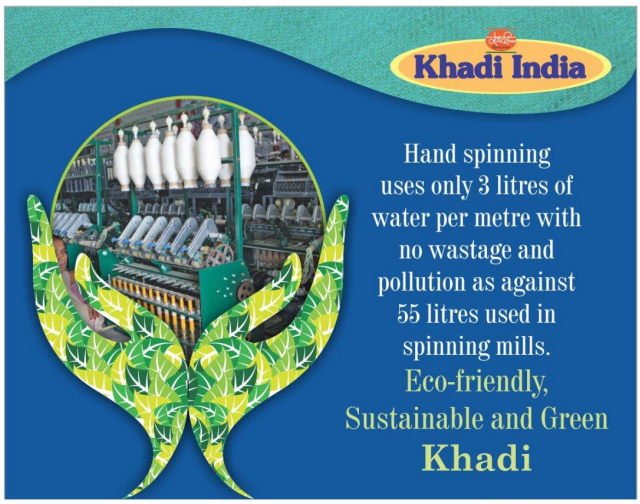

पैदा कर वायुमंडल में धूल और जहरीले गैसों को उत्सर्जित करते हैं। बुनाई में लगभग 23% ऊर्जा, कताई में 34%, रासायनिक प्रसंस्करण में 38% और विविध उद्देश्यों के लिए 5% ऊर्जा का उपयोग किया जाता है। इस प्रकार, ऊर्जा प्रबंधन की आवश्यकता ने वस्त्र उद्योगों में तेजी से ऊर्जा खपत होने के कारण प्रक्रिया उद्योगों की तीव्र वृद्धि के कारण सर्वोपरि महत्व का अनुमान है।"

ध्यान देने वाली बात यह है कि 65 बिलियन किलोग्राम (कि.ग्रा.) वस्त्र के अनुमानित वैश्विक वस्त्र उत्पादन के आधार पर वस्त्र का उत्पादन करने के 1082 बिलियन किलोवाट बिजली (या 136 मिलियन मीट्रिक टन कोयले) और 7 से 10 ट्रिलियन के बीच पानी की आवश्यकता है। सिंथेटिक वस्त्र उद्योग सबसे बड़ा ग्रीनहाउस उत्सर्जक में से एक है।

आयोग के एमडीटीसी प्रशिक्षण केंद्र, बैंगलोर में विदेशी प्रतिनिधियों का दौरा

इरेट्रिया अफ्रीका से आये विदेशी प्रतिनिधियों ने आयोग के एमडीटीसी प्रशिक्षण केंद्र, बैंगलोर का दौरा किया। आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (दक्षिण क्षेत्र) श्री जी.गुरुप्रसन्ना ने प्रतिनिधियों को संबोधित किया। प्रतिनिधियों ने एमडीटीसी प्रशिक्षण केंद्र में चलाये जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम को भी देखा।

आयोग के माननीय सदस्य (दक्षिण क्षेत्र) श्री जी. चंद्रमौली ने फल और सब्जी प्रसंस्करण प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया और सीपीपीआई, माधवनगर, चेन्नई में बेकरी प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित किए।

आयोग के सं. मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सत्यपाल ने हिसार में ज़री जूती क्लस्टर का दौरा किया, जहाँ उन्होंने क्लस्टर के कारीगरों के साथ चर्चा की।

श्री मांगे राम, उप निदेशक प्रभारी,राज्य कार्यालय, शिमला ने हिमाचल प्रदेश के शिक्षा मंत्री श्री सुरेश भारद्वाज से मुलाकात की और उनसे शैक्षिक संस्थानों को योग किट खरीदने हेतु निर्देश देने का आग्रह किया।

मणिपुर में शहद मिशन के तहत आयोग के राज्य कार्यालय, मणिपुर ने 200 हनी-बी बॉक्सेस का वितरण किया।

त्रिपुरा में चौथे और दक्षिण त्रिपुरा जिले में पहले मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 11 जून, 2018 को किया गया। प्रशिक्षण के दौरान मधुमक्खी कॉलोनी की देखरेख व रखरखाव के बारे में जानकारी दी गयी तथा प्रशिक्षुओं को मधुमक्खियों को कृत्रिम भोजन खिलाने के बारे में सिखाया गया।

आयोग के सेवानिवृत्त वरिष्ठ कर्मचारियों का सम्मान

अखिल भारतीय केवीआईसी पेंशनर्स कल्याण संघ की लखनऊ इकाई ने आयोग के उन पेंशनभोगियों को सम्मानित किया, जिन्होंने 75 वर्ष या उससे अधिक उम्र प्राप्त कर ली है, सम्मानित होने वालों में श्री सुरेंद्र मोहन रसिक, पूर्व सहायक निदेशक; श्री भुवनेश्वरी प्रसाद पांडे, पूर्व विकास अधिकारी (खादी); श्री वीके शर्मा, पूर्व वरिष्ठ आशुलिपिक; श्री नंद किशोर पाठक, पूर्व स. विकास अधिकारी (ताड़गुड़); श्री ए.एस. तिवारी, पूर्व विकास अधिकारी (चूना); श्री राम सिंह, पूर्व स.विकास अधिकारी (सीएमआई); श्री दुधनाथ प्रसाद, पूर्व स. विकास अधिकारी (कुम्हारी) आदि शामिल थे।

बैठक में संघ की नयी कार्यकारणी समिति का भी गठन किया गया।

त्रिपुरा में मधुमक्खी पालन पर जागरूकता शिविर

25 जून, 2018 को आयोग के राज्य कार्यालय, अगरतला ने जंपुइजाला ब्लॉक, जिला- सेफहिजाला, त्रिपुरा राज्य में मधुमक्खी पालन पर एक जागरूकता शिविर आयोजित किया। 26 जून, 2018 से पांच दिवसीय का प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ।

02 जून, 2018 को त्रिपुरा के कोहई जिले में मधुमक्खी पालन पर आयोजित जागरूकता शिविर का दृश्य। 04 जून, 2016 से मधुमक्खी पालन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम इसी स्थान पर शुरू हुआ था, यह तीसरा ऐसा कार्यक्रम है।

12 जून, 2018 को, आयोग के राज्य कार्यालय, अगरतला ने त्रिपुरा में ढलाई जिले के चौमानू ब्लॉक में मधुमक्खी पालन पर जागरूकता शिविर आयोजित किया। जनजातीय लोगों के प्रभुत्व वाला चौमानू ब्लॉक, ढलाई जिले में सबसे दूरस्त ब्लॉक है जिसे नीति आयोग द्वारा पिछड़ा जिला घोषित किया गया है।

सफलता की कहानी

कंचन इंटरप्राइजेज-

घर से होटल के बर्तनों तक

यह क्षमा तुषार पात्रे और तुषार किशोर पात्रे के सफलता की एक कहानी है जिन्होंने खादी और ग्रामोद्योग आयोग के प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के माध्यम से अपना जीवन बदल दिया। इस जोड़े ने 2014 में देना बैंक से ऋण लेकर 19 लाख रु. के परियोजना लागत की अपनी इकाई-कंचन एइंटरप्राइजेज की स्थापना की। इस जोड़े द्वारा अपने नवीनतम विचारों से रसोई और होटल के आधुनिकतम बर्तनों का विनिर्माण किया जा रहा है।

अपने नवीनतम उत्पादों के साथ, अपने व्यापार में समर्पण की भावना और आधुनिक विचारों ने उन्हें बाज़ार में एक अलग पहचान दी है। यह इकाई 100,000,00 रुपये का कारोबार कर रही है तथा लगभग 20 व्यक्तियों को रोजगार प्रदान

आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रीता वर्मा ने हाल ही में अपने दौरे के दौरान इस इकाई के आदर्श विचारों की सराहना करते हुए कहा- **"आप कुछ अलग और आकर्षक कर रहे हैं। आपके पास उत्पाद की बहुत अच्छी रेंज है और आप अपने व्यवसाय का विस्तार कर रोजगार के अवसरों का विस्तार करें। "**

मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने इकाई के स्थान और व्यापार का विस्तार करने का भी सुझाव दिया। उन्होंने कहा, **"अपने उत्पादों में स्वचालन करें, केवीआईसी आपको सभी तरह की मदद प्रदान करेगा।"**

किया है, जिन्हें वह प्रति माह 8000 रुपये से 20,000 रुपये तक का वेतन दे रहे हैं। तुषार पात्रे की आयोग की गृह पत्रिका 'जागृति' की साथ बातचीत के मुख्यांश :

प्रश्न-1. इस इकाई को स्थापित करने का विचार आपको कैसे आया ?

उत्तर: मेरे परिवार का डाइ बनाने का व्यापार है इसलिए मुझे इस प्रकार का कुछ अलग तरह के कारोबार करने में रूचि पहले से थी, अतः मैंने रसोई तथा होटल में उपयोग में लाये जाने वाले उत्पाद (बर्तन) निर्माण को अपने व्यसाय के रूप में चुना।

प्र. 02. आपने प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम परियोजना का चयन कैसे किया ?

उत्तर: मुझे इस सम्बन्ध में जानकारी मेरे एक दोस्त से प्राप्त हुई। तब मैंने इस परियोजना का चयन किया।

प्र.03. इस इकाई की स्थापना से आपको और आपके परिवार को कैसे लाभ हुआ ?

उत्तर: मैं इस परियोजना के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग का आभारी हूँ। मेरे परिवार को भी मुझ पर गर्व है और मैंने आर्थिक मूल्य लाभ प्राप्त किया तथा हमने अपने उत्पादों को आधुनिक बनाया जो हमें दूसरों से अलग खड़ा करते हैं और हमने दूसरों के लिए एक अलग उदाहरण प्रस्तुत किया है।

बेहतर समाज के लिए स्वच्छ और ग्रीन प्रौद्योगिकियों को अपनाने वाले हमारे उत्पाद एक सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण तैयार करते हैं और चीन उत्पादों की तुलना में शून्य विकिरण उत्सर्जित करते हैं।

प्र.04. आप देश के बेरोजगार युवाओं को क्या सन्देश देना चाहेंगे ?

उत्तर: मुझे लगता है कि उन्हें पॉकेट मनी के लिए धन जुटाने के लिए छोटे

व्यवसाय शुरू करना चाहिए। यह उस वक्त समय की बर्बादी प्रतीत हो सकता है लेकिन जीवन देने और लेने के बारे में सब कुछ है ... व्यस्त व्यक्ति के पास अवसरों की संभावना अधिक है।

प्र.05. कृपया अपने नवीन पहलों के बारे में बताये और उत्पादन, विपणन, निर्यात, अनुसन्धान और विकास के क्षेत्र में आपके द्वारा किए गए नवाचार जो दूसरों को प्रेरित कर सकते हैं ?

उत्तर:

- आधुनिक उत्पादों और सेवाओं का विस्तार करना;
- आकर्षक उत्पाद श्रंखला ;
- समय पर उत्पाद वितरित करना ;
- प्रशिक्षण, शिक्षा और एक्सपोजर के माध्यम से
- लेनदेन में पारदर्शिता,
- विकास के अवसरों का पता लगाना ;
- टीम-वर्क और परामर्श ;
- नेतृत्व की क्षमता विकसित करना अदि

प्रेस कवरेज

THE TIMES OF INDIA

For full access features like switch between zones a articles, please regist

Tools

Khadi taps Amazon for garment e-sales

Plans To Encash Recent Boom In Business

Sidhartha@timesgroup.com

New Delhi: The Khadi and Village Industries Commission (KVIC) is in talks with Amazon to start hawking khadi fabric and ready-made garments, apart from village industry products such as honey, soaps and shampoo, some of which have already found their way on the marketplace.

The talks are aimed at encashing the recent boom in the sale of khadi products and making them available at doorsteps. Numbers shared with **TOI** showed that during 2017-18, khadi sales grew nearly 25% to Rs 2,503 crore. This came on the back of a 29% rise in 2015-16 and 33% growth in 2016-17.

While KVIC had started online sales, a tie-up with Amazon is expected to make products much more accessible. Over the last few years, it has expanded sales channels by going beyond its own stores to enter into tie-ups with companies such as Raymond, Arvind Mills and the Aditya Birla Group, apart from store-in-store arrangements with the likes of Globus. KVIC is also opening Khadi Malls in addition to revamping its existing stores.

Currently, several sellers are registered with Amazon to sell Khadi-branded products such as shampoo and scrubs but KVIC now wants to directly come on to the platform, realising that the middle class is increasingly relying on online shopping to meet its day-to-day requirements.

"We have held preliminary talks with Amazon and the arrangement should be worked out shortly," said a KVIC official, who did not wish to be identified. The government agency is, however, not looking at immediate tie-ups with Flipkart or other marketplaces, sources said.

Under the deal with Amazon, KVIC will maintain its own stocks and warehouses.

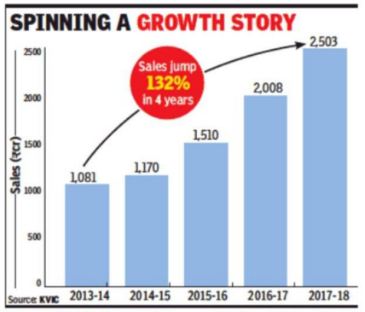

Khadi board moves high court against Fabindia

John Sarkar & Sidhartha | TNN

New Delhi: Khadi and Village Industries Commission (KVIC) has filed a case against ethnic retailer Fabindia in the Bombay high court, seeking damages of Rs 525 crore for allegedly selling factory-made cotton garments under the guise of 'Khadi'.

Law firm Kochhar & Co, representing KVIC, asked Fabindia to pay monetary damages for the loss of profit earned by the company by using the 'Khadi' trademark and the Khadi mark, documents reviewed by **TOI** showed. When contacted, a Fabindia spokesperson told **TOI**, "We are not in receipt of any communication on the said matter and, therefore, any comment at this stage would be premature and highly speculative."

Fabindia had earlier said it has been in conversation with KVIC since 2015 to resolve the matter. But KVIC, the agency responsible for promoting Khadi and village industries, said it did not grant Fabindia the rights to sell garments under the Khadi brand, since the talks for the same had fallen through due to Fabindia not meeting the procedural norms. KVIC, however, has granted Raymond and Arvind Mills the authorisation to use the Khadi trademark.

KVIC chairman Vinai Kumar Saxena said the agency is keen to protect its reputation and would take stringent measures against all those who violated rules and regulations that have been framed for the benefit of rural artisans attached to it.

SEEKS ₹525CR DAMAGES

KVIC said it found Fabindia was continuing to sell its garments in the name and style of Khadi despite warnings and assurances by Fabindia that it will refrain from do so. The complaint by KVIC said, around July 2015, it tested samples from Fabindia, which revealed they were not Khadi products and Fabindia was selling factory-made cotton garments in the name of Khadi.

Subsequently, it served a notice to Fabindia for the violation of the regulation caused by the retailer's alleged illegal and unauthorised use of the Khadi mark.

The notice asked Fabindia to stop the sale of textiles under the name of 'Khadi' and to desist from issuing advertisements for Khadi products in newspapers and other media.

Fabindia, in a letter dated August 16, 2016, informed KVIC that it had 'stopped advertisement campaign in all media and that have also sent internal directions to stop selling the cloth with reference to Khadi.' However, sources said, KVIC later found Fabindia using the Khadi mark tag on its products.

In 2017, the tussle took an ugly turn when KVIC served a legal notice to Fabindia7, asking it to stop using the Khadi brand name and pay compensation for the losses caused to the KVIC.

The charkha has come full circle

Insight

Bhavdeep Kang

The charkha has come full circle. Traditional fashion labels, destroyed first by brute force — and then by manmade fibres, may be the best bet to save our planet. Plastic microfibres from synthetic garments and furnishings, research studies say, has contaminated drinking water, sea-water and marine life to a frightening extent, threatening fragile eco-systems even on the ocean bed.

Beat Plastic Pollution' was the theme of World Environment Day 2018 and one of the subjects under review was microplastics. The major microfibre pollutant in sea salt is polyethylene terephthalate, better known as polyester. Invented in 1941, it was popularised in India by the late Dhirubhai Ambani aka "The Polyester Prince". Acrylic is even worse than polyester for the environment, studies say, because it sheds 1.5 times more particles per wash than polyester and five times as much as polyester-cotton.

All textiles shed microfibres, but natural materials like cotton, linen, silk, cashmere, hemp, jute and wool break down much faster — unlike plastic fibres, which stick around for centuries. As a result, plastic microfibres are now ubiquitous. The integration of plastic fibres into ecosystems has already impacted animal life. We know that marine creatures — from plankton to mussels to fish — are being choked by plastic, just as plastic bags block the guts of stray cows. What does it mean in terms of human health? Nobody knows and scientists are only now trying to find out.

From the plastic microfibre pollution perspective, the strong comeback of India's khadi industry is good news. From 2015 onwards, sales of khadi products (fabric, honey, soaps, edibles, etc) have registered a sharp increase. Prime Minister Narendra Modi's 'Mann Ki Baat' radio show plugging khadi was immediately followed by a sharp uptick in the khadi industry, now estimated at Rs 50,000 crore.

Khadi fibres are hand-twisted, which makes the fabric ideal for all weather conditions – hot, cold or humid. Yes, it crumples easily, requires frequent washing, is expensive and not easily available off the rack. But it breathes well, is skin-friendly and gets softer with each wash.

shot up by over 14 per cent to Rs 37,855 crore, while sales of khadi fabric and garments jumped 29 per cent. Regular FMCG companies were complaining of sluggish growth at the time. The trend has continued, with the khadi industry consistently recording growth figures above 20 per cent.

The Khadi Village Industries Commission (KVIC), narrowly avoiding a tie-up with Baba Ramdev's Patanjali, has lately sought partnerships with big firms like Fabindia and Raymond, to meet the crying need for a design upgrade in ready-to-wear khadi.

'The brand itself became fashionable at the turn of the millenium, when NDA I inducted the IIT-trained Dr Mahesh Sharma to steer KVIC. Khadi soaps, cosmetics and edibles became must-haves, but ready-to-wear languished for lack of design inputs. NDA II is seeking to bridge that gap. Raymond has been aggressively promoting its khadi ready-to-wear range and many high-profile designers have introduced it in their collections. The fabric of the poor is now a status symbol for the rich.

Middle-class women once wore their polyester sarees with pride, but now will not be caught dead in 'cheap' synthetics. Draping cotton in general and khadi in particular is a signal that the wearer doesn't care about cost, durability or high maintenance. Those concerns are for the less well-to-do. That said, all kudos to Smriti Irani's #swarchandloom campaign, because the handloom industry can do with all the help it can get.

The khadi brand has a special cachet, given its association with the freedom movement and the Mahatma. Like most things Gandhi, it was consigned to the dustbin in the urge towards industrialisation. The iconic charkha was confined to the dusty, nasty corridors of Gandhian institutions, with only its symbolic value remaining. Khadi or poly vastra (an unhappy blend of polyester and khadi) became a kind of uniform for politicians and social workers, a token affirmation of nationalist principles. At public functions, garlands of hand-spun yarn for VIPs were replaced by marigolds and money, which was understandable, because 'Gandhi' had become a euphemism for high-value currency notes.

Khadi's impressive resurgence, however, has more to do with growing environmental consciousness and concerns about human health than age-old associations. Khadi fibres are hand-twisted, which makes the fabric ideal for all weather conditions – hot, cold or humid. Yes, it crumples easily, requires frequent washing, is expensive and not easily available off the rack. But it breathes well, is skin-friendly and gets softer with each wash.

The challenge now is to make khadi, or at least handloom – which uses mill made rather than hand-spun yarn – affordable and accessible for all. The top-down approach may work, as the less privileged follow the rich in adopting natural or blended rather than entirely man-made fibres. The best part is that 'khadi grumdjog' products, which are not produced in industrial plants like regular FMCG goods, but by more than seven lakh household units and social entrepreneurs, most of them run by women, A classic example of production by the masses, for the masses.

The writer is a senior journalist with 35 years of experience in working with major newspapers and magazines. She is now an independent writer and author.

Steel charkha to rise on Sabarmati riverfront

Will Be 11 Feet High, 22 Feet Long

TIMES NEWS NETWORK

Ahmedabad: After putting up the world's largest wooden charkha for the Delhi airport, the Khadi and Village Industries Commission (KVIC) formally began work on Saturday to install a large stainless steel charkha on the east bank of the riverfront in Ahmedabad, opposite the Sabarmati Ashram. The charkha will be a tribute to Mahatma Gandhi in his 150th anniversary year.

The 2.2-tonne stainless steel charkha is made of high-quality chromium-nickel and is corrosion-resistant, non-magnetic, and will not be affected by heat. The charkha will be 11 feet tall, 22 feet long and 6.5 feet broad.

The work order for the charkha was placed by the Prayog Samiti, a KVIC unit. KVIC chairman V K Saxena said that after getting official consent for the installation of the charkha from the Sabarmati River Front Development Corporation Limited, KVIC began the piling work of four-feet-high granite platform near gate No. 3 of Subhas Bridge Riverfront Park.

150 YEARS OF BAPU

Over the past three years, KVIC has installed large charkhas across the country. A high-quality teakwood charkha, which is today the world's largest, was installed at Terminal-3 of the Indira Gandhi International Airport. Then KVIC installed a 12 feet by 25 feet steel charkha at Rajiv Chowk in Delhi. During the Champaran Satyagrah centenary celebrations, KVIC installed an 18 feet long, 5.75 feet wide, and 9 feet high steel charkha in Charkha Park, located in front of Gandhi Museum in Motihari. KVIC also donated a charkha to the Gandhi Heritage Site at Jinja in Uganda on October 2 last year.

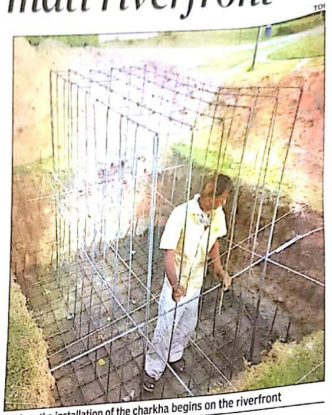

Work on the installation of the charkha begins on the riverfront

प्रेस कवरेज

KVIC steps up to beautify YAMUNA GHATS

OUR CORRESPONDENT

TILL MONDAY dusk hours, for septuagenarian Choudhary Vijay Singh, the village headman of the place barely 10 kilometers away from Delhi Secretariat – monsoon meant piles of garbage. But, when on Monday evening, Khadi and Village Industries Commission (KVIC) Chairman Vinai Kumar Saxena and his KVIC member Jai Prakash Tomar led from the front, with brooms, gloves, and dustbins in their hands; it was a dawn of hope for all the Jagatpur residents.

When KVIC decided to adopt this village under the Swachhata Abiyaan, it virtually injected a good dose of enthusiasm among the village youths. "Financial assistance for the beautification of Yamuna ghats and sanitation drive apart, KVIC has shown us the way to keep our village in good health.

If someone of KVIC Chairman's age can sweep nearly one kilometer of our village road and ghat and pick the rags, it is our moral obligation to make Jagatpur a model village for sanitation drive," said 30-year-old Jagatpur Youth Wing convener Rakesh Kumar.

KVIC's sanitation drive begun with plantation from the Biodiversity Park of this village and summed up with cleanliness drive at another part of the village, i.e. the bank of River Yamuna. Addressing thousands of villagers gathered on the finishing point, KVIC Chairman said that he was enthused with the response reciprocated by all the villagers – right from school children to old people. "With such quantum of public participation, Jagatpur is destined to be one of the most beautiful villages in Delhi and NCR. KVIC officials are already on their job for proper cleaning, dumping, and disposal of garbage here," he said.

Later, in meeting with the KVIC Chairman, the villagers decided to make two incharges for each lane, for ensuring cleanliness. The villagers had also decided to impose a penalty on those – who will intentionally make the village dirty.

Under the Swachhata Mission, KVIC's next destination is Mumbai's Juhu Beach.

(स्रोत : जीएलएल इंडिया)

न्यूज ब्रीफ

'खादी मार्क' के अवैध इस्तेमाल पर केवीईसी ने ढाई साल में 222 फर्मों को भेजे नोटिस

नई दिल्ली | खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने ढाई साल में 222 फर्मों को लीगल नोटिस भेजे हैं। ये नोटिस रजिस्टर्ड कराए बिना 'खादी मार्क' या हैंडस्पन, हैंडवुवन और वुवन इन हैंडलूम्स जैसे शब्द इस्तेमाल करने के आरोप में भेजे गए हैं। आयोग के चेयरमैन वीके सक्सेना ने दावा किया कि ये शब्द स्वदेशी कपड़े के पर्यायवाची हैं। यदि कोई फर्म रजिस्टर्ड कराए बिना इन नामों से अपने उत्पाद बेच रही है तो वह ग्राहकों को धोखा दे रही है।

खादी को दमदार भारतीय ब्रांड बनाने की तैयारी

वाणिज्य मंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में उपायों पर की गई चर्चा

नई दिल्ली, प्रेट्र : सरकार खादी को विशुद्ध 'भारतीय ब्रांड' के रूप में स्थापित करने और विदेशी बाजारों तक इसकी पहुंच को मजबूती देने की योजना बना रही है। सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्योग (एमएसएमई) के सचिव अरुण कुमार पांडा ने कहा कि सरकार खादी को ऐसे भारतीय ब्रांड के रूप में स्थापित करने की सोच रही है, जिसकी बिक्री या प्रमोशन का हक सिर्फ खादी ग्रामोद्योग आयोग (केवीआइसी) को है। इसके साथ ही सरकार विदेशी प्रदर्शनियों और अन्य आयोजनों में खादी की पैठ बढ़ाने की तैयारियों में भी जुट गई है।

असल में कई विदेशी कंपनियां स्थानीय बाजारों में खादी को अपने ट्रेडमार्क के रूप में पंजीकृत कराने की कोशिशों में लगी हैं। जर्मनी की एक कंपनी खादी नेचरप्रोडक्टे जीबीआर ने

प्रोत्साहन

- प्रदर्शनी में खादी की पैठ बढ़ाकर बड़ा बाजार तलाशने की कोशिश
- कहा, 'हमें उचित तरीके की ब्रांडिंग की सख्त जरूरत है

यूरोपीय यूनियन में ट्रेडमार्क और डिजाइन पंजीकरण के लिए नोडल एजेंसी ओएचआइएम से खादी को अपने ट्रेडमार्क के रूप में पंजीकृत करवा था। सरकार का नया कदम ऐसी कंपनियों के मंसूबों को नाकाम करना और खादी को विदेशी बाजार में प्रतिष्ठित भारतीय ब्रांड के रूप में स्थापित करना है।

पांडा के मुताबिक पिछले हफ्ते वाणिज्य मंत्री सुरेश प्रभु की अध्यक्षता में कई विभागों के शीर्ष अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई थी। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के तत्वावधान में आयोजित इस बैठक में औद्योगिक नीति व संवर्धन विभाग (डीआइपीपी), वाणिज्य, टेक्सटाइल और रसायन विभाग के सचिव भी शामिल थे। बैठक का मकसद एक संस्थागत तंत्र के जरिये खादी को विशिष्ट भारतीय ब्रांड के रूप में स्थापित करने और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए उचित रणनीति और सभी संभव रास्तों पर विचार करना था। उन्होंने कहा, 'हमें उचित तरीके की ब्रांडिंग की सख्त जरूरत है। हम इस बारे में वाणिज्य मंत्रालय से बात कर रहे हैं। एक बार हम खादी को ऐसे विशिष्ट भारतीय ब्रांड के तौर पर पेश करना शुरू कर देंगे जिसे प्रमोशन का हक सिर्फ केवीआइसी को है, तो कोई दूसरा इसका दुरुपयोग न कर पाएगा।'

മലയാള മനോരമ
12 of 13

വാണിജ്യം/വർത്തമാനം

നൂൽനൂൽപ്പ് പരിശീലനം ആരംഭിച്ചു

ഖാദി വ്യവസായ കമ്മിഷന്റെ നേതൃത്വത്തിൽ ആറന്മുളയിൽ ആരംഭിച്ച നൂൽനൂൽപ്പ് പരിശീലനം.

Spinning training programme started at New Ki- Centre for Rural Employment and Economic Development(CREED) Aranmula.It is a new institution got provisional Khadi Certificate on 19.03.2018 to start the Khadi activities. Spinning training programme is not a news in KVIC .Such training programmes are being conducted in all the Khadi Institution to impart basic knowledge on spinning so as to enable the KIs to start their work. Here the specialty is the institution has procured " looms and Charkhas" and constructed workshed by availing loan from the Self Employment Scheme of Industries Department. One of its member has availed loan for starting spinning and weaving activities under special scheme of industries department. It is nothing but starting activities with empty hand,with support of its members. They would like to expand its activities in a similar way for creating gainful employment under the Khadi Sector in all the villages in the Pathanamthitta District. It is a positive move to create a self reliant village and to implement KHADI GRAMAM.The social commitment of its members is to be appreciated.They would like to expand its activities in a similar way for creating gainful employment under the Khadi Sector in all the villages in the Pathanamthitta District. It is a positive move to create a self reliant village and to implement KHADI GRAMAM. Working for the others is something different that everybody cannot do it ,only the people having devoted mind for the social activities can do it. Every one speaks but the action is important. here the real action speaks ......Lets us hope and pray that their attempt may yield desired result

IMC gives KVIC Rs 19.05 lakh Charkha cheque on Mahatma Gandhi anniversary

Dominick Rodrigues June 19, 2018

The 150th anniversary of Mahatma Gandhi and his becoming the honorary member of the Indian Merchants Chamber (IMC) was highlighted at the IMC building here recently with Lalit Kanojia, President, IMC presenting a cheque of Rs 19.05 lakhs to the KVIC for supplying charkhas to needy artisans in India.

KVIC chairman Vinai Kumar Saxena, while receiving the cheque, said that a charkha – costing Rs 15,000 each – is the lifeline of millions of artisans, predominantly women, as it empowered them to spin khadi yarn and sustain their families. "Khadi growth has been 133% (25% over last year) with Rs 2508 crore turnover and, where no infrastructure is available, khadi — with its lowest capital investment – helps support families. So there is a need to adopt khadi in order to save the environment," he said.

Noting that IMC is the only Chamber that Mahatma Gandhi chose to become a honorary member of, Lalit Kanojia, President, IMC, said Gandhi's usage of a single khadi cloth and advice to business remained very relevant today. "He outsmarted the British and broke their backs. We too need to point our vectors in the same direction worldwide through our 111-year-old IMC's voice of two lakh corporates," he said.

Usha Thakkar, President , Mani Bhavan, while releasing a co-authored book, said Gandhi and Bombay shared a 'symbiotic' relationship for years as, while returning from Africa with his ship docking at Bombay city — which he then described as the "Scum of London ," — he chose the same city to launch his opposition to British rule

भरतपुर, मंगलवार 22 मई , 2018 | 13

रोगों से बचाव के लिए शहद का नियमित सेवन करें: त्रिपाठी

विश्व मधुमक्खी दिवस पर हुई कार्यशाला

भास्कर संवाददाता|नगर

विकास अधिकारी खादी ग्रामोद्योग आयोग जयपुर नंदलाल त्रिपाठी ने मधुमक्खी के शहद का नियमित सेवन करने से तपेदिक, अस्थमा, कब्ज, खून की कमी व रक्तचाप आदि रोगों से बचाव करने की बात कही है।

डीग चुंगी स्थित लोक सेवा समिति पर विश्व मधुमक्खी दिवस के तहत मधुमक्खी पालन के संरक्षण व संवर्धन कार्यशाला में विकास अधिकारी नंदलाल त्रिपाठी ने उपस्थित लोगों को मधुमक्खी पालन को एक कृषि आधारित उद्योग व स्वरोजगार का उत्तम साधन बताया। उन्होंने शहद के सेवन से टयूमर व प्रोस्टेटाइटिस का खतरा कम होने, स्मरण शक्ति व आयु में वृद्धि, एवं बी-थैरेपी, गठिया व कैंसर आदि असाध्य रोगों से छुटकारा पाने की बात कही।

कार्यशाला के दौरान वाद-विवाद व चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें चित्रकला में खुशी मित्तल ने प्रथम, कोमल सोनी द्वितीय व काजल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि वाद-विवाद में रश्मि कौशिक को प्रथम, प्रिया द्वितीय व लवली सक्सैना को तृतीय विजेता घोषित कर अतिथियों द्वारा पुरस्कार स्वरूप शहद वितरण किया गया। शहद से होने वाले फायदों के बारे में कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोगों ने विस्तार से जानकारी देते हुए इसका उपयोग करने पर जोर दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कर्नल हरिसिंह, विशिष्ट अतिथि कैप्टन बच्चूलाल, ऋषिराम पाराशर, ओमप्रकाश चौधरी व पूर्व शिक्षाविद कैलाशचंद पालीवाल थे। अंत में मंत्री राजेन्द्र प्रसाद एग्रो ने सभी का आभार जताया। इस अवसर पर रामचरण गिरदावर, पूर्व पार्षद ओमप्रकाश शर्मा, अजय लवानिया, कृष्णमुरारी शर्मा, गिरधारी पाठक, लालाराम गुर्जर, हरेन्द्र शर्मा, मधु शर्मा, कुमकुम शर्मा, प्रहलाद प्रसाद, रमेश चन्द आदि मौजूद थे।

KVIC bags order from Air India

KVIC yesterday said it has bagged a third successive order from Air India for supply of 1.85 lakh units of 'khadi' amenity kits. Air India has decided to repeat its order for the use of khadi products on its international flights, and has placed an order worth Rs 8 crore with Khadi and Village Industries Commission (KVIC), it said in a statement. KVIC Chairman Vinai Kumar Saxena said the latest order will also support in providing sustainable employment through micro enterprises to rural artisans. The amenity kits consist of khadi herbal beauty care products.

Govt asks exporters to comply with global standards to tap intl markets

The government yesterday said exporters, particularly from the food and agriculture sectors, should strictly comply with global norms for quality and standards, or else they might lose their export market share to other countries. Emphasising on the importance of adopting best standards for goods and services, Commerce Secretary Rita Teaotia said it is critical to promote manufacturing, exports and enhancing participation of domestic industry into global value chains. She said in the food and agriculture sectors, Indian exporters are repetitively facing trade barriers on account of compliance issues.

TRIPURA DARPAN

শনিবার, ৩০ জুন, ২০১৮ ইং

জম্পুইজলায় মৌমাছি পালনের বিশেষ প্রশিক্ষণ শিবির

সাংস্কৃতিক কর্মশালা

কর্মচারী সংঘের শোক

न्यूज इन नंबर्स

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना से 4 साल में 294 करोड़ का लोन दिया

जयपुर | जिला उद्योग केंद्रों के माध्यम से युवा उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत 2013-14 से 2016-17 तक 294.56 करोड़ रुपए का लोन बैंकों के माध्यम से दिया गया। जयपुर जिले में उद्योगों के लिए सबसे ज्यादा 63.01 करोड़, वहीं सबसे कम 63 लाख का लोन हनुमानगढ़ जिले में दिया गया।

जिला	लोन
जयपुर	63.01
जोधपुर	18.79
कोटा	16.01
चित्तौडगढ़	14.66
बांसवाड़ा	14.00

राशि (करोड़ में)

KVIC adopts Delhi village for cleanliness drive
Khadi and Village Industries ...
www.business-standard.com

https://www.business-standard.com/article/pti-stories/kvic-adopts-delhi-village-for-cleanliness-drive-118062000639_1.html 11:14 AM

KVIC adopts Delhi village for cleanliness drive
www.indiatoday.in

https://www.indiatoday.in/pti-feed/story/kvic-adopts-delhi-village-for-cleanliness-drive-1265110-2018-06-20 11:14 AM

KVIC adopts Jagatpur village in Delhi for Swachhata Abhiyaan...
www.clipper28.com

https://www.clipper28.com/en/kvic-adopts-jagatpur-village-in-delhi-for-swachhata-abhiyaan/ 11:14 AM

Khadi major agent in fight against global warming, climate degradation: KVIC
www.indiatoday.in

https://www.indiatoday.in/pti-feed/story/khadi-major-agent-in-fight-against-global-warming-climate-degradation-kvic-1251259-2018-06-05 11:13 AM

Khadi major agent in fight against global warming, climate degradation: KVIC...
www.business-standard.com

https://www.business-standard.com/article/pti-stories/khadi-major-agent-in-fight-against-global-warming-climate-degradation-kvic-118060501037_1.html 11:13 AM

Khadi to play a major role in fighting global warming and climate degradation, says K...
www.devdiscourse.com

https://www.devdiscourse.com/Article/11522-khadi-to-play-a-major-role-in-fighting-global-warming-and

KVIC to install steel 'charkha' on Sabarmati riverfront
www.outlookindia.com

https://www.outlookindia.com/newsscroll/kvic-to-install-steel-charkha-on-sabarmati-riverfront/1322363 11:13 AM

KVIC scripting the success story of Khadi industry
The signature fabric of India- Khadi, is ac...
www.millenniumpost.in

http://www.millenniumpost.in/features/kvic-scripting-the-success-story-of-khadi-industry-302668 11:13 AM

KVIC scripting the success story of Khadi industry
The signature fabric of India- Khadi, is ac...
www.millenniumpost.in

http://www.millenniumpost.in/features/kvic-scripting-the-success-story-of-khadi-industry-302668

KVIC to install steel 'charkha' on Sabarmati riverfront
The Khadi and Village Indus...
www.business-standard.com

https://www.business-standard.com/article/pti-stories/kvic-to-install-steel-charkha-on-sabarmati-riverfront-118060300504_1.html 11:13 AM

KVIC to install steel 'charkha' on Sabarmati riverfront
www.indiatoday.in

https://www.indiatoday.in/pti-feed/story/kvic-to-install-steel-charkha-on-sabarmati-riverfront-1249541-2018-06-03 11:13 AM

KVIC to install steel 'charkha' on Sabarmati riverfront - Times of India...
timesofindia.indiatimes.com

https://timesofindia.indiatimes.com/city/ahmedabad/kvic-to-install-steel-charkha-on-sabarmati-riverfront/articleshow/64439792.cms 11:13 AM

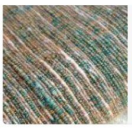

India : Khadi sales soar 25% y-o-y in 2017-18 - Textile News India...
www.fibre2fashion.com

http://www.fibre2fashion.com/news/handloom-news/khadi-sales-soar-25-y-o-y-in-2017-18-242584-newsdetails.htm
11:14 AM

Khadi sales up, says Smrithi Irani
Khadi Gramam project at th...
www.thehindu.com

http://www.thehindu.com/todays-paper/tp-national/tp-kerala/khadi-sales-up-says-smrithi-irani/article24140633.ece
11:14 AM

Khadi board moves high court against Fabindia - Times of India...
timesofindia.indiatimes.com

https://timesofindia.indiatimes.com/business/india-business/khadi-board-moves-high-court-against

KVIC moves HC against Fabindia over use of 'khadi' trademark...
www.moneycontrol.com

https://www.moneycontrol.com/news/trends/current-affairs-trends/kvic-moves-hc-against-fabindia-over-use-of-khadi-trademark-2595691.html
11:14 AM

KVIC moves HC against Fabindia over use of 'khadi' trademark...
www.hindustantimes.com

https://www.hindustantimes.com/business-news/kvic-moves-hc-against-fabindia-over-use-of-khadi-trademark/story-IATKKh3YRdalSpRtDbjlkK.html
11:14 AM

Air India renews contract for Khadi amenity kits for premium international flyer...
timesofindia.indiatimes.com

A tangled web KVIC weaves for khadi
The Khadi and Village Indus...
blogs.economictimes.indiat...

https://blogs.economictimes.indiatimes.com/et-editorials/a-tangled-web-kvic-weaves-for-khadi/
11:14 AM

https://m.navbharattimes.indiatimes.com/business/business-news/government-wants-to-make-khaadi-special-indian-brand/articleshow/64720833.cms
11:14 AM

खादी ने देश में स्वरोजगार के साथ स्वावलंबन दिया: शाह
-साबरमती रिवरफ्रंट पर स्टील के चर...
www.patrika.com

https://www.patrika.com/ahmedabad-news/amit-shah-dedicated-steel-charkha-at-sabarmati-riverfront-3014507/
11:14 AM

How to tell cotton from khadi: A court case tries to solve the dilemma
KVIC has filed a case against Fabindia in ...
economictimes.indiatimes.com

https://economictimes.indiatimes.com/news/et-explains/how-to-tell-cotton-from-khadi-a-court-case-tries-to-solve-the-dilemma/articleshow/64600437.cms
11:14 AM

KVIC moves HC against Fabindia over use of 'khadi' trademark...
www.thehindu.com

http://www.thehindu.com/news/national/kvic-moves-hc-against-fabindia-over-use-of-khadi-trademark/article24173280.ece
11:14 AM

KVIC moves HC against Fabindia over use of 'khadi' trademark...
www.dnaindia.com

http://www.dnaindia.com/business/report-kvic-moves-hc-against

केवीआईसी को एयर इंडिया से मिला आठ करोड़ का ऑर्डर
नई दिल्ली। खादी एवं ग्रामोद्योग आ...
www.sanjeevnitoday.com

https://www.sanjeevnitoday.com/business/kvic-gets-contract-from-air-india/20180618/151286 11:14 AM

KVIC steps up to beautify Yamuna Ghats
Till Monday dusk hours, for septuagen-arian Choudhary Vijay Singh, the village h...
www.millenniumpost.in

http://www.millenniumpost.in/features/kvic-steps-up-to-beautify-yamuna-ghats-305250 11:14 AM

Swachhata Mission: KVIC adopts Delhi village for cleanliness drive...
www.financialexpress.com

https://www.financialexpress.com/india-news/swachhata-mission-kvic-adopts-delhi-village-for-cleanliness-drive/1213856/ 11:14 AM

Fabindia allegedly selling factory-made clothes as 'Khadi', sued - Times of India
India Business News: Khadi and Village I...
timesofindia.indiatimes.com

https://timesofindia.indiatimes.com/business/india-business/khadi-board-moves-high-court-against-fabindia/articleshow/64594793.cms 11:14 AM

खादी आयोग ने फैब इंडिया को हाई कोर्ट में घसीटा, मांगा 525 करोड़ रुपये का हर्जाना - Navbharat Times...
navbharattimes.indiatimes.com

https://navbharattimes.indiatimes.com/business/business-news/khadi-takes-fabindia-to-high-court-seeks-rs-525-crore-in-damages/articleshow/64598804.cms 11:14 AM

खादी के नाम पर फैब इंडिया का धोखा, हाई कोर्ट में किया 525 करोड़ रुपए का केस
खादी के कपड़े बेचने वाले ब्रैंड फैब इंडिया पर संकट ...
www.punjabkesari.in

https://www.punjabkesari.in/business/news/fab-india-cheating

Khadi taps Amazon for garment e-sales - Times of India
India Business News: NEW DELHI: The K...
timesofindia.indiatimes.com

https://timesofindia.indiatimes.com/business/india-business/khadi-taps-amazon-for-garment-e-sales/articleshow/64407749.cms 11:13 AM

Khadi spins success as sales jump 133 per cent in last four years...
www.newindianexpress.com

http://www.newindianexpress.com/business/2018/jun/03/khadi-spins-success-as-sales-jump-133-per-cent-in-last-four-years-1822974.html 11:13 AM

Monumental charkha inaugurated at riverfront - Times of India...
timesofindia.indiatimes.com

https://timesofindia.indiatimes.com/city/ahmedabad/monumental-charkha-inaugurated-at-riverfront/articleshow/64756568.cms 11:14 AM

Khadi major agent in fight against global warming, climate degradation: KVIC
www.outlookindia.com

https://www.outlookindia.com/newsscroll/khadi-major-agent-in-fight-against-global-warming-climate-degradation-kvic/1323629 11:13 AM

World Environment Day 2018 LIVE: Host Nation India Focuses On 'Beat Plastic Po...
www.ndtv.com

https://www.ndtv.com/india-news/world-environment-day-2018-live-updates-host-nation-india-focuses-on-beat-plastic-pollution-theme-1862462 11:13 AM

Khadi major agent in fight against global warming, climate degradation: KVIC
www.moneycontrol.com

https://www.moneycontrol.com/news/trends/current-affairs-trends/khadi

Air India global passengers continue to get Khadi amenity kits...
www.zeebiz.com

http://www.zeebiz.com/india/news-air-india-global-passengers-continue-to-get-khadi-amenity-kits-51629 11:14 AM

'खादी' सुविधा किट खरीदेगी एयर इंडिया, दिया 8 करोड़ का आर्डर
खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC...
www.punjabkesari.in

https://www.punjabkesari.in/business/news/kvic-bags-air-india-contract-for-amenity-kits-worth-rs-8-crore-821399 11:14 AM

'खादी' सुविधा किट खरीदेगी एअर इंडिया, लगातार तीसरी बार दिया आर्डर...
money.bhaskar.com

https://money.bhaskar.com/news/MON-INDU-SERV-MRKT-kvic-supply-khadi-amenity-kits-to-air-india

Khadi major agent in fight against global warming, climate degradation: KVIC
www.moneycontrol.com

https://www.moneycontrol.com/news/trends/current-affairs-trends/khadi-major-agent-in-fight-against-global-warming-climate-degradation-kvic-2583551.html 11:14 AM

वीमेंस कॉलेज में ई-चरखे से तैयार होगा सूत, हॉस्टल की छात्राएं दिन में 1 घंटे कातेंगी सूत, मिलेगा मेहनताना...
www.bhaskar.com

https://www.bhaskar.com/jharkhand/jamshedpur/news/latest-jamshedpur-news-031003-1900250.html 11:14 AM

Saint of Sabarmati to get fitting tribute for Mahatma Gandhi's 150th birth anniver...
ahmedabadmirror.indiatime...

https://ahmedabadmirror.indiatimes

Saint of Sabarmati to get fitting tribute - Ahmedabad Mirror...
ahmedabadmirror.indiatime...

https://ahmedabadmirror.indiatimes.com/ahmedabad/others/saint-of-sabarmati-to-get-fitting-tribute/articleshow/64432323.cms 11:13 AM

Steel charkha to rise on Sabarmati riverfront - Times of India...
timesofindia.indiatimes.com

https://timesofindia.indiatimes.com/city/ahmedabad/steel-charkha-to-rise-on-sabarmati-riverfront/articleshow/64432334.cms 11:13 AM

Ahmedabad: 11-foot tall charkha to be installed at Sabarmati Riverfront | Ah...
www.nyoooz.com

https://www.nyoooz.com/news/ahmedabad/1128035/ahmedabad-11foot-tall-charkha-to-be-installed-at

KVIC bags Air India contract for amenity kits worth Rs 8 crore...
www.moneycontrol.com

https://www.moneycontrol.com/news/business/companies/kvic-bags-air-india-contract-for-amenity-kits-worth-rs-8-crore-2601491.html 11:14 AM

KVIC bags order from Air India for supply of 'khadi' amenity kits...
www.newindianexpress.com

http://www.newindianexpress.com/business/2018/jun/18/kvic-bags-order-from-air-india-for-supply-of-khadi-amenity-kits-1829885.html 11:14 AM

Air India repeats order for use of khadi products on international flights; places ...
www.financialexpress.com

https://www.financialexpress.com/industry/air-india-repeats-order

Ahmedabad: 11-foot tall charkha to be installed at Sabarmati Riverfront...
indianexpress.com

http://indianexpress.com/article/cities/ahmedabad/ahmedabad-11-foot-tall-charkha-to-be-installed-at-sabarmati-riverfront-5201903/ 11:13 AM

India : Raymond places orders with Bihar khadi institutions - Textile News I...
www.fibre2fashion.com

http://www.fibre2fashion.com/news/textile-news/raymond-places-orders-with-bihar-khadi-institutions-242604

Banana fabric with U.V. resistance in the offing
KVIC to also promote honey ...
www.thehindu.com

http://www.thehindu.com/news/national/tamil-nadu/banana-fabric-with-uv-resistance-in-the-offing

Khadi & Village Industries Commission
Monsoon Sale! Discounts u...
www.facebook.com

https://www.facebook.com/kvicindia/photos/a.960307033981234.1073741832.833379276674011/2221515174527074/?type=3 11:14 AM

KVIC Adopted Jagatpur VIllage for Swachh Bharat Abhiyan...
smestreet.in

KVIC Adopted Jagatpur VIllage for Swachh Bharat Abhiyan
https://smestreet.in/clusters/north-zone/kvic-adopted-jagatpur-village-f 11:14 AM

Modi's favourites come together as khadi weaves its magic ahead of Yoga Day...
www.moneycontrol.com

https://www.moneycontrol.com/news

फैबइंडिया पर खादी आयोग ने ठोंका 525 करोड़ का मुकदमा, फैक्ट्री में बने सूती कपड़ों को बता रहा खादी-Amarujala...
www.amarujala.com

https://www.amarujala.com/business/corporate/kvic-lodges-complaint-against-fabindia-seeks-damages-worth-525-crore-rupees 11:14 AM

Fabindia uses 'khadi' trademark; KVIC moves HC, seeks damages worth Rs 5 bn
The suit claims that Fabindia sells factor...
www.business-standard.com

https://www.business-standard.com/article/companies/fabindia-uses-khadi-trademark-kvic-moves-hc-seeks-damages-worth-rs-5-bn-118061500722_1.html 11:14 AM

KVIC moves HC against Fabindia over 'khadi' trademark
The Khadi and Village Industries Commis...
www.thehindubusinessline.com

https://www.thehindubusinessline.com/companies/kvic-moves-hc-against-fabindia-over-use-of-khadi

Financial Express @Financ... · 24m
Swachhata Mission: **KVIC** adopts Delhi village for cleanliness drive
financialexpress.com/india-news/swa...

2 2

moneycontrol @moneycontr... · 1h
#Modi's favourites come together as #khadi weaves its magic ahead of #YogaDay
moneycontrol.com/news/business/...
(via @Tasmayee) #InternationalYogaDa
#YogaDay2018

Modi's favourites come together as khadi weaves its magic ahead of Yo...
moneycontrol.com

2

कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

Khadi India

अपने शहर के एक
खादी इण्डिया
आउटलेट पर जाएं,
गर्व से खरीदें उच्च गुणवत्ता के
हस्तनिर्मित वस्त्र और उत्पाद,
जो आपके
देशवासियों द्वारा
ग्रामीण भारत में बनाये गए हैं !

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार

ग्रामोदय, 3, इर्ला रोड़, विले पार्ले (पश्चिम), मुम्बई-400 056 वेबसाईट : www.kvic.org.in

नजदीकी खादी आउटलेट की जानकारी के लिए
मोबाईल ऑप डाउनलोड करें।

Follow us on kvicindia @kvicindia

भारत में हम रोजगार सृजन करते है तथा समृद्धि बुनते हैं

KVIC ARTWING 2018